RNI No.: UPHIN/25/A1697
GARVI GUJARAT
गरवी गुजरात
गरवी गुजरात
लखनऊ से प्रकाशित दैनिक
वर्ष : 01
अंक : 190
दि. 11.11.2025, मंगलवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा
EDITOR : ASHWANI KUMAR Regd. Office: TF-01, Nanakram Super Market,Ramnagar,Sabarmati, Ahmedabad-380 005. Gujarat, India.
Phone : 90163 33307 (M) 93283 33307, 98253 33307 • Email : garvigujarat2007@gmail.com • Email : garvigujarat2007@yahoo.com • Website : www.garvigujarat.co.in

पीएम मोदी ने 28,344 किसानों के खाते में 62.84 करोड़ की राशि डीबीटी के माध्यम से की जारी

(जीएनएस)।

उत्तराखंड राज्य स्थापना की रजत जयंती समारोह के अवसर पर देहरादून में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत राज्य के 28,000 से अधिक किसानों के बैंक खातों में ₹62 करोड़ से अधिक की राशि प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (DBT) के माध्यम से जारी की।

इस पहल से राज्य के किसानों को प्राकृतिक आपदाओं एवं फसल क्षति से सुरक्षा का लाभ प्राप्त होगा। कृषि मंत्री गणेश जोशी ने उनका आभार व्यक्त किया। कृषि मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का उत्तराखंड से विशेष लगाव उनके इस आगमन और प्रदेश के किसानों के प्रति संवेदनशीलता से स्पष्ट झलकता है।

उन्होंने कहा कि आज राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा भारत सरकार के पोर्टल डिजिक्लेम मॉड्यूल के माध्यम से रबी 2024-25 मौसम के अंतर्गत एग्रीकल्चर इंश्योरेंस कम्पनी (AIC) के सहयोग से बीमित कृषकों की फसलों के सापेक्ष 28,344 कृषकों को ₹62.84 करोड़ का क्लेम भुगतान किया गया।

कृषि मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में किसानों के कल्याण हेतु निरंतर कार्य हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि पुनर्गठित मौसम आधारित फसल बीमा योजना के तहत वर्ष 2016 से अब तक ₹1,146.43 करोड़ का क्लेम वितरित कर 6,25,161 कृषकों को लाभान्वित किया जा चुका है।

कृषि मंत्री ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार मिलकर किसानों की आय दोगुनी करने के लक्ष्य की दिशा में निरंतर प्रयासरत हैं और यह बीमा भुगतान किसानों के प्रति सरकार की

प्रतिबद्धता का प्रमाण है। कार्यक्रम में पीएम मोदी ने उत्तराखंड डाक परिमंडल द्वारा राज्य के प्रमुख तीर्थ स्थलों एवं सांस्कृतिक प्रतीकों पर आधारित विशेष डाक टिकट श्रृंखला का विमोचन किया। इस विशेष डाक टिकट श्रृंखला के माध्यम से देवभूमि उत्तराखंड की धार्मिक, सांस्कृतिक और प्राकृतिक धरोहर को राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान प्रदान की गई है।

देहरादून स्थित एफआरआई परिसर में आयोजित समारोह के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उत्तराखंड की विकास यात्रा को साकार करने वाले विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिभागियों से संवाद किया। संवाद में स्वयं सहायता समूहों की महिलाएँ, युवा नवाचारक, पर्यटन और एडवेंचर स्पोर्ट्स से जुड़े उद्यमी तथा विभिन्न सरकारी योजनाओं के लाभार्थी शामिल रहे। इन प्रतिभागियों ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि किस प्रकार राज्य सरकार की योजनाओं, बेहतर संपर्क एवं बुनियादी ढाँचे और नवाचार को प्रोत्साहन ने उनके जीवन और आजीविका को परिवर्तित किया।

योगी सरकार का भ्रष्टाचार पर वार, 4 अधिकारी बर्खास्त

(जीएनएस)।

उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ बिहार की चुनावी सभाओं में भी कई बार भ्रष्टाचार को सख्ती से खत्म करने की बात दोहराते रहे हैं। अब उन्होंने भ्रष्टाचार पर एक और बड़ी कार्रवाई की है। समाज कल्याण विभाग के आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक, राज्य सरकार ने भ्रष्ट अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई की है। एक दशक पुराने मामले में 4 अधिकारियों को बर्खास्त किया गया है, जबकि 3 की पेंशन में कटौती की गई है।

मीडिया रिपोर्ट्स की मानें, तो यह कार्रवाई भ्रष्टाचार के एक दशक से भी पुराने मामले में की गई है। आरोप साबित होने पर चार अधिकारियों को सेवा से बर्खास्त कर दिया है। 3 अन्य आरोपियों को भी दोषी करार दिया गया है, लेकिन ये तीनों सेवानिवृत्त हो चुके हैं। इनकी पेंशन में 10 से 50 फीसदी तक की कटौती का आदेश दिया गया है।

भ्रष्ट अधिकारियों की योगी राज में खैर नहीं

- राज्य सरकार की ओर से बर्खास्त किए जाने वाले अधिकारी मीना श्रीवास्तव (पूर्व जिला समाज कल्याण अधिकारी, श्रावस्ती), करुणेश त्रिपाठी (मथुरा), संजय कुमार ब्यास (हापुड़) और राजेश कुमार (शाहजहांपुर) हैं।

- इन चारों पर छात्रवृत्ति राशि में गड़बड़ी और बैंक खातों में हेराफेरी करने के गंभीर आरोप साबित हुए हैं।

- मीना श्रीवास्तव पर लाभार्थियों के डेटा में हेराफेरी और छात्रवृत्ति राशि के गबन के आरोप सिद्ध हुए हैं।

डॉक्टर आदिल अहमद राठर निकला आतंकी नेटवर्क का हिस्सा, 350 किलो विस्फोटक और एके-47 कहां रखा था छिपाकर?

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के फरीदाबाद से मिली एक सनसनीखेज खबर ने सुरक्षा एजेंसियों की नींद उड़ा दी है। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने यहां से 350 किलो विस्फोटक, दो एके-47 राइफल और बड़ी मात्रा में गोलियां बरामद की हैं। जांच में जो खुलासे हुए, उन्होंने सबको चौंका दिया - यह कोई आम मामला नहीं, बल्कि कश्मीर के एक डॉक्टर से जुड़ा ऐसा नेटवर्क है जो अंसार गजवत-उल-हिंद जैसे आतंकी संगठन तक पहुंचता है।

पुलिस की कार्रवाई के बाद अब यह साफ हो गया है कि आतंकी संगठन डॉक्टरों और पेशेवरों के जरिए भी अपने नेटवर्क को फैला रहे हैं।

बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र देओल की तबीयत पर टीम का ऑफिशियल बयान आया सामने, फैंस से की खास इमोशनल अपील

(जीएनएस)।

बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र देओल की तबीयत को लेकर फैली अफवाहों के बीच अब उनकी टीम ने आधिकारिक बयान जारी किया है। टीम ने स्पष्ट किया है कि अभिनेता की स्थिति स्थिर है और वह पूरी तरह डॉक्टरों की निगरानी में हैं। सोमवार को सोशल मीडिया पर खबरें तेजी से फैली थीं कि धर्मेंद्र को वेंटिलेटर पर रखा गया है, लेकिन अब यह बात पूरी तरह गलत साबित हुई है।

जानकारी के अनुसार, धर्मेंद्र पिछले कुछ दिनों से मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती हैं। उनकी टीम ने बताया कि उन्हें हल्की सांस लेने में तकलीफ थी, जिसके चलते उन्हें भर्ती कराया गया। हालांकि अब उनकी हालत में सुधार देखा जा रहा है। टीम ने कहा, "धर्मेंद्र जी स्थिर हैं और डॉक्टरों की देखरेख में हैं। चिंता की कोई बात नहीं है।"

फैंस से की अपील - अफवाहों से बचें

धर्मेंद्र की टीम ने उनके चाहने वालों से अपील की है कि वे किसी भी

तरह की अपुष्ट खबरों पर विश्वास न करें। टीम ने कहा कि अभिनेता के स्वास्थ्य को लेकर सोशल मीडिया पर फैल रही गलत जानकारियां बेवजह की घबराहट पैदा कर रही हैं। उनके फैंस लगातार ट्विटर और इंस्टाग्राम पर #GetWellSoonDharmendra ट्रेंड चला रहे हैं और जल्द ठीक होने की कामना कर रहे हैं।

जल्द नजर आएंगे फिल्म 'इक्कीस' में

काम की बात करें तो धर्मेंद्र जल्द ही राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता निर्देशक श्रीराम राघवन की फिल्म 'इक्कीस' में दिखाई देंगे। यह फिल्म परमवीर चक्र विजेता सेकंड लेफ्टिनेंट अरुण खेत्रपाल के जीवन पर आधारित है। फिल्म में धर्मेंद्र के साथ अगस्त्य नंदा, जयदीप अहलावत, और सिमर भाटिया जैसे कलाकार भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।

फैंस को मिली राहत

धर्मेंद्र के फैंस, जो उनकी तबीयत की खबरों से चिंतित थे, अब राहत महसूस कर रहे हैं।

उत्तराखण्ड : ग्रीष्मकालीन राजधानी गैरसैंण में 142.25 करोड़ की योजनाओं का लोकार्पण-शिलान्यास, जानिए सीएम धामी ने क्या कहा

(जीएनएस)।

उत्तराखण्ड की रजत जयंती के मौके पर ग्रीष्मकालीन राजधानी गैरसैंण में दो दिवसीय समारोह आयोजित हुआ। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने विधानसभा परिसर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान राज्य आंदोलन के शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की।

इस अवसर पर उन्होंने राज्य आंदोलनकारियों को शाल ओढ़ाकर सम्मानित भी किया। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने जनपद की 142.25 करोड़ रुपये की विकास योजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास भी किया, जिनमें 43.63 करोड़ की 27 विकास योजनाओं का लोकार्पण तथा 98.62 करोड़ रुपये की 33 विकास योजनाओं का शिलान्यास शामिल है।

मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम स्थल पर विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का अवलोकन किया। खेल, शिक्षा, कृषि और अन्य क्षेत्रों में सराहनीय कार्य करने वाले लोगों को भी मुख्यमंत्री ने सम्मानित किया। कार्यक्रम के दौरान आईटीबीपी, आईआरबी, नागरिक पुलिस, होमगार्ड, महिला आरक्षी, नागरिक पुलिस/फायर सर्विस तथा एनसीसी महिला दस्ते ने 46वीं वाहिनी पीएसी के बैंड की धुन पर शानदार रैतिक परेड का प्रदर्शन किया। मुख्यमंत्री ने रैतिक परेड का

निरीक्षण भी किया।

मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने उत्तराखण्ड के रजत जयंती वर्ष के मुख्य कार्यक्रम में शिरकत कर राज्य का मान बढ़ाने का कार्य किया है। इस दौरान उन्होंने राज्य को 8,200 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं की सौगात भी दी है और राज्य के विकास के लिए लक्ष्य भी निर्धारित किए हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार की ओर से उत्तराखण्ड को विश्व की आध्यात्मिक राजधानी बनाने के लिए निरंतर कार्य किए जा रहे हैं। राज्य में तीर्थाटन विकास के लिए केदारखण्ड और मानसखण्ड में स्थित पौराणिक मंदिरों का पुनरुद्धार एवं सौंदर्यीकरण का कार्य तेज गति से किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अटल जी ने हमें नया राज्य देने के साथ ही विशेष औद्योगिक पैकेज प्रदान कर राज्य को नई दिशा और मजबूती दी थी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा गैरसैंण के विकास के लिए विभिन्न विकास योजनाओं का संचालन किया जा रहा है। सारकोट गांव को गोद लेकर ग्रामीणों और विभागों के समन्वय से गांव को मॉडल गांव के रूप में विकसित करने का कार्य किया जा रहा है।

साथ ही राज्य के समग्र विकास के लिए नई नीतियों और योजनाओं का नियोजन कर राज्य को विकसित करने का कार्य किया जा रहा है।

इसका परिणाम है कि उत्तराखण्ड राज्य आज देश की अनेक योजनाओं में अग्रणी राज्य के रूप में जाना जा रहा है। राज्य की विकास दर में तेजी से वृद्धि हुई है और कृषकों की आय में बढ़ोतरी हो रही है। राज्य में बेरोजगारी में 4.4 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है। सतत विकास सूचकांक में उत्तराखण्ड को देश में प्रथम स्थान तथा मोस्ट फिल्म फ्रेंडली स्टेट अवॉर्ड भी मिला है।

केंद्र सरकार के सहयोग से बुनियादी ढांचा, शिक्षा, स्वास्थ्य, हवाई एवं रेल कनेक्टिविटी के क्षेत्र में राज्य निरंतर प्रगति कर रहा है। उन्होंने कहा कि मंदिर माला मिशन, एक जिला एक मेला योजना और साहसिक पर्यटन को प्रोत्साहन देकर राज्य की अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान की जा रही है।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने गुजरात की लोक कला और लोक संस्कृति

गुजरात यूनिवर्सिटी में दिवंगत जोरावरसिंह जादव की प्रार्थना सभा आयोजित हुई

गांधीनगर, 10 नवंबर : गुजरात की जीवंत लोक कलाओं, लोक जीवन और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को 110 से अधिक पुस्तकों के माध्यम से आने वाली पीढ़ियों के लिए एक अनमोल विरासत के रूप में छोड़ जाने वाले सुप्रसिद्ध लेखक, शोधकर्ता और पद्मश्री पुरस्कार विजेता दिवंगत जोरावरसिंह जादव की प्रार्थना सभा सोमवार को अहमदाबाद स्थित गुजरात यूनिवर्सिटी में आयोजित हुई।

राज्य के मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने इस प्रार्थना सभा में उपस्थित रहकर दिवंगत आत्मा को श्रद्धासुमन अर्पित किए।

दिवंगत जोरावरसिंह जादव लेखक और शोधकर्ता के अलावा गुजरात की धरती को जीवंत रखने वाली लोक कलाओं और लोक कलाकारों के जीवंत संरक्षक थे। आकरुं गांव से शुरू हुई लोक कला संवर्धन की उनकी अनूठी यात्रा गुजरात के सांस्कृतिक इतिहास का एक विशिष्ट अध्याय है।

दिवंगत जोरावरसिंह जादव को वर्ष 2019 में भारत सरकार की ओर से पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। उन्होंने संगीत नाटक अकादमी के उपाध्यक्ष के रूप में भी अपनी सेवाएं दी थीं।

इसके अलावा, उन्होंने गुजराती लोक संग्रहालय ह्यविरासतह्ण का सृजन किया, जिसका उद्घाटन भी मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने ही किया था।

प्रार्थना सभा में बड़ी संख्या में लोक कलाकार, साहित्यकार, नागरिक और उनके प्रशंसकों ने उपस्थित रहकर श्रद्धांजलि अर्पित की।

बिहार चुनाव :वोट देने मोबाइल और इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस लेकर जा सकते हैं? चुनाव आयोग के नियम जान लें

बिहार विधानसभा चुनाव अब अपने अंतिम पड़ाव पर है। आज लोगों का जीवन मोबाइल और इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस के बिना अधूरा है। चुनाव आयोग ने इस पर स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी किए हैं, ताकि मतदान प्रक्रिया पारदर्शी और निष्पक्ष बनी रहे। मोबाइल, लैपटॉप, टैबलेट से लेकर तमाम इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस को लाने, इस्तेमाल करने को लेकर चुनाव आयोग की ओर से स्पष्ट नियम तय किए गए हैं। चुनाव आयोग के नियमों के मुताबिक, मतदाता बूथ परिसर में मोबाइल लेकर पहुंच सकते हैं। मतदान कक्ष (जहां ईवीएम लगी होती है) में मोबाइल या गैजेट्स नहीं ले जा सकते हैं। प्रवेश से पहले अपना फोन बाहर रखना होता है।

जैश-ए-मोहम्मद और एजीयूएच का आतंकी मॉड्यूल ध्वस्त, मस्जिद इमाम समेत 7 अरेस्ट, कौन कहां का-क्या रोल?

(जीएनएस)।

जम्मू-कश्मीर पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल की है। प्रतिबंधित संगठनों जैश-ए-मोहम्मद (खीट) और अंसार गजवत-उल-हिंद (AGuH) से जुड़े अंतर-राज्यीय और अंतरराष्ट्रीय आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ कर दिया। इस सिलसिलेवार अभियान में 7 प्रमुख आतंकी गिरफ्तार हुए, जिनमें दो डॉक्टर और एक मस्जिद इमाम शामिल हैं।

पुलिस ने श्रीनगर, अनंतनाग, गंदेरबल, शोपियां, फरीदाबाद (हरियाणा) और सहारनपुर में समन्वित तलाशी ली, जहां से 2,900 किलोग्राम क्एऊ सामग्री, दो अङ-राइफलें, दो पिस्तौलें और भारी मात्रा में गोला-बारूद बरामद हुआ। अधिकारियों का कहना है कि यह मॉड्यूल पाकिस्तान से संचालित था और एक बड़े हमले की साजिश रच रहा था, जो अब नाकाम हो गया। यह कार्रवाई 19 अक्टूबर को श्रीनगर के नौगाम में खीट के धमकी भरे पोस्टर मिलने के बाद शुरू हुई थी। क्या है इस 'सफेदपोश' नेटवर्क का पूरा राज? आइए, विस्तार से जानते हैं...

पोस्टर से शुरू हुई जांच: 'सफेदपोश' तंत्र का पदार्फाश, पाकिस्तान से लिंक

जम्मू-कश्मीर पुलिस ने एक प्रेस नोट जारी कर बताया कि 19 अक्टूबर 2025 को श्रीनगर के बनपोरा नौगाम में विभिन्न स्थानों पर खीट के पोस्टर चस्पां किए गए थे, जिनमें पुलिस और सुरक्षा बलों को धमकी दी गई थी। नौगाम थाने में FIR नंबर 162/2025 दर्ज की गई-जिसमें वअढअ, विस्फोटक पदार्थ अधिनियम और शस्त्र अधिनियम की धाराएं लगाई गईं। हाई-लेवल जांच में एक 'सफेदपोश आतंकी पारिस्थितिकी तंत्र' का खुलासा हुआ, जो कट्टरपंथी पेशेवरों, डॉक्टरों, छात्रों और धार्मिक नेताओं का परिष्कृत नेटवर्क था।

पुलिस के अनुसार, यह मॉड्यूल पाकिस्तान और अन्य देशों से संचालित विदेशी हैंडलर्स के संपर्क में था। एन्क्रिप्टेड ऐप्स (जैसे टेलीग्राम, सिग्नल) से समन्वय, विचारधारा प्रचार, फंडिंग और लॉजिस्टिक्स संभालता था। धन जुटाने के लिए सोशल या धर्मार्थ कार्यों का कवर इस्तेमाल किया जाता-जैसे मस्जिदों, स्कूलों और प्रोफेशनल नेटवर्क्स से। मॉड्यूल का काम था: लोगों को रेडिकलाइज करना, भर्ती करना, हथियार खरीदना और क्एऊ से हमले की साजिश रचना। हिंदुस्तान टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, यह नेटवर्क पैन-इंडिया स्ट्राइक्स की प्लानिंग कर रहा था, जिसमें अल-कायदा के फुटप्रिंट्स भी मिले।

सम्पादकीय

बिहार में भारी मतदान : जनता ने पोलिग बूथों पर पहुंचकर अपनी राय जोर-शोर से की प्रकट

बिहार यूं ही नहीं लोकतंत्र की जननी, लोकतंत्र की जननी मतदान के प्राथम चरण में गुरुवार को हुए बंपर मतदान ने एक बार फिर सिद्ध कर दिया कि बिहार यूं ही नहीं लोकतंत्र की जननी है। 64.46 प्रातिशत बता रहा है कि यहां के लोकतांत्रिक मूल्यों की कितनी एहमियत है। अगर कई मतदान केन्द्रों पर लाइट न जाती और कई स्थानों पर ईवीएम खराबी की शिकायतें नहीं आती तो यह 2-3 प्रातिशत और बढ़ जाता। मतदान में जनता की भागीदारी अधिक होने का मतलब साफ है कि भारत में अभी भी लोकतंत्र जीवित है। इनका एक अर्थ यह भी निकलता है कि जनता राजनीति से उदासीन नहीं है। लोकतंत्र में ऐसा ही होना चाहिए। वर्ष 2025 के बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण की 121 सीटों पर गुरुवार को पिछली बार के मुकाबले 31 लाख 81 हजार 858 अधिक मत पड़े। बिहार के मुख्य (चुनाव) निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) विनोद सिह गुनियाल ने कहा कि मतदाता जागरूकता, मतदाता सूची की सफाई और महिला, युवा एवं बुजुर्ग मतदाताओं का उत्साह वोट प्रातिशत बढ़ाने में सहायक बना। उन्होंने उम्मीद जताई कि दूसरे चरण के मतदान में भी मतदाताओं का उत्साह बढ़-चढ़ कर वोट करेगा। सीईसी ने कहा कि बिहार ने देश को राह दिखाई है। पहले चरण में महागठबंधन के सीएम पद के उम्मीदवार तेजस्वी यादव, डिप्टी सीएम विजय वुमार सिन्हा, सम्राट चौधरी समेत कई बड़े नामों की किस्मत दांव पर है। इस चरण में बिहार में दो दशकों से सत्तासीन नीतीश वुमार या उनकी जगह कोई और इस दौर के चुनाव में एक बड़ा बहस का मुद्दा रहा। हाल के चुनावों में यह सवाल इतनी मजबूती के साथ कभी नहीं पूछा गया था। जनता जो भी निर्णय लेगी, वह राज्य की सामाजिक-राजनीतिक दिशा तय करेगी। सबसे सकारात्मक बात यह रही कि बिहार की जनता ने इस बात को समझा और 2020 की तुलना में लगभग 13-14 प्रातिशत ज्यादा वोट दिया। बिहार के 18 जिलों की 121 सीटों के लिए हुए रिकार्ड मतदान पर दोनों गठबंधन के नेता, कार्यकताओं के जरिए आंकलन करने में लगे हैं। दोनों ही तरफ से हालांकि जीत के दावे पहले ही कर दिए गए हैं। एनडीए नेता बंपर वोटिग को महिला मतदाताओं के चमत्कार के रूप में देख रहे हैं तो महागठबंधन अपने लिए बेहतर मान रहा है। मतदान वेंद्रों पर महिला मतदाताओं की लंबी कतारें दिखने के बाद एनडीए में कहा जा रहा है कि यह सीएम नीतीश वुमार द्वारा महिला रोजगार योजना के जरिए 1 करोड़ 40 लाख महिलाओं को दिए गए 10-10 हजार रुपए के बाद पैदा भरोसे के लिए वोट है। सीएम की यह स्कीम आगे भी जारी रहनी है और इनके अलावा पीएम मोदी की वेंद्र सरकार द्वारा किए जा रहे विकास कार्यो पर भी भरोसे का वोट है। लेकिन आरजेडी इसे तेजस्वी यादव द्वारा सरकार बनते ही आगामी मकर सव्रंति पर 14 जनवरी को 30 हजार रुपए (हर महीने 2500 रुपए की स्कीम) देने के वादे के लिए किया गया वोट है। कांग्रोस को भरोसा है कि युवा वर्ग ने वोट चोरी के मुद्दे को लेकर सत्तारुढ़ गठबंधन के खिलाफ वोट दिया है। इस बार चुनाव में एसआईआर और वोट चोरी भी मुद्दे रहे। युवा तबके में बेरोजगारी सबसे बड़ा मुद्दा था। लगता भी है कि इस बार जेन-जी (18-25 वर्ष) के युवाओं ने भी बढ़-चढ़ कर वोट दिया है। याद रहे कि वोटिग के एक दिन पहले ही राहुल गांधी ने चुनाव आयोग पर यह आरोप लगाए। फिर एसआईआर के कारण पहले के मुकाबले करीब 47 लाख कम वोट हैं। इसके बावजूद जनता ने पोलिग बूथों पर पहुंचकर अपनी राय जोर-शोर से प्राकट की। चुनावी धांधलियों के आरोप भी लग रहे हैं। कहीं तो स्ट्रांग रूम में अवैध लोगों की एंट्री बताई जा रही है, कहीं ईवीएम की पर्चियां सड़कों पर पेंकी जा रही हैं तो कहीं पर वोटिग मशीन खराब होने और बिजली काटने के आरोप लग रहे हैं। नेताओं को भगाया जा रहा है तो कहीं गोबर तक पेंका गया है। एनडीए सरकार को हर मोच्रे पर विफल बताते हुए लालू प्रासाद यादव की टिप्पणी जोरदार रही। अपने एक्स हैंडल पर लालू ने लिखा : तवा पर रोटी पलटती रहनी चाहिए नहीं तो जल जाएगी।

स्टैच्यू ऑफ यूनिटी में 'भारत पर्व' का प्रकाशमय उत्सव : एकता नगर जगमगा उठा प्रकाश के रंग से

- भारतीय शैली की कलरफुल लाइटिंग से झिलमिलती स्टैच्यू ऑफ यूनिटी
- प्रकाश पर्व पैवेलियन में लाइटिंग के साथ ढेरों सेल्फी ले रहे पर्यटक
- एलईडी डाइनामिक लाइटिंग से प्रकृति एवं टेक्नोलॉजी के बीच परफेक्ट सिम्फनी रचती है
- लाइटिंग की जगमगाहट से प्रकाशित हुआ राष्ट्रीय एकता एवं प्रकृति के प्रति प्रेम
- स्टैच्यू ऑफ यूनिटी के आकाशीय दृश्यों का अद्भुत नजारा पर्यटकों का आकर्षण
- स्टैच्यू ऑफ यूनिटी स्थित जंगल सफारी, कैक्टस गार्डन, बटरफ्लाई गार्डन, सर्किट हाउस, एकता मॉल, एडमिन बिल्डिंग रंगबिरंगी लाइटिंग से जगमगाए

गांधीनगर, 10 नवंबर :भारतीय संस्कृति में प्रकाश को अंधकार दूर करने के साथ आध्यात्मिक ऊर्जा एवं उत्साह के प्रतीक के रूप में भी माना जाता है। तीज-त्योहार तथा धार्मिक उत्सव में प्रकाश का स्थान महत्वपूर्ण एवं अडिग रहा है। आज के युग में लाइटिंग एक आर्ट बन गई है और भारतीय लाइटिंग शैली की झलक पेरिस के फेस्टिव ऑफ लाइट्स तथा दुबई के लाइट डोम शो में देखने को मिलती है। लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के उपलक्ष्य में स्टैच्यू ऑफ यूनिटी परिसर में भारत पर्व का ऐतिहासिक उत्सव मनाया जा रहा है, तब एकता नगर कलरफुर लाइटिंग्स के प्रकाश से जगमगा उठा है।

प्रकाश पर्व के अवसर पर एकता नगर स्थित स्टैच्यू ऑफ यूनिटी परिसर प्रकाश से जगमगा उठा है। मानो एकता नगर दुल्हन की तरह सज गया है। समग्र क्षेत्र को विभिन्न रंगबिरंगी लाइटिंग से भारत की विभिन्न संस्कृतियों तथा परंपराओं की झाँकियों से सजाया गया है, जहाँ भारत की विविधता में एकता के दर्शन होते हैं।

182 मीटर की दुनिया की सबसे ऊँची सरदार वल्लभभाई पटेल की भव्य प्रतिमा से लेकर सरदार सरोवर बांध तक हर स्थान पर तिरंगे रंग में लेसर लाइट से जगमगाहट छा गई है। प्रकाश के विभिन्न रंग भारतीय संस्कृति की विविधता में एकता का प्रतीक बनकर खड़े हैं। स्थानीय कलाकारों व शिल्पकारों ने भी अपनी हस्तकला कृतियों को लाइटिंग के प्रकाश द्वारा प्रस्तुत किया है। इस लाइटिंग में आधुनिक टेकनोलॉजी के साथ परंपरागत डिजाइन का समन्वय देखने को मिला है।

लाइटिंग तथा फोटोग्राफी का संबंध इतना अविभाज्य है कि जहाँ प्रकाश हो, वहाँ कैमरा स्वयं आकर्षित होता है। भारत पर्व में लाइटिंग के साथ पर्यटकों ने हजारों सेल्फी एवं फोटो अपने मोबाइल में संजोए हैं। लाइटिंग से सजाई गई हर थीम अपने भीतर कोई संदेश समेटे है। कहीं राष्ट्रीय एकता का प्रतिबिंब है, तो कहीं प्रकृति के प्रति प्रेम झलकता है।

नर्मदा नदी की निर्मल धारा समान इस पर्व के उत्सव में देश के विभिन्न राज्यों की लोककला, लोकसंगीत, हस्तकला तथा भोजन की रसधारा बहती दिखाई देती है। हर राज्य ने अपने परंपरागत वेशभूषा तथा कला द्वारा देश की सांस्कृतिक समृद्धि को प्रस्तुत किया है, जिससे एक भारत, श्रेष्ठ भारत की भावना जीवंत हो उठी है। इस भावना को उजागर करने के लिए केन्द्र तथा राज्य सरकार के संयुक्त प्रयासों से भारत पर्व का भव्य उत्सव नर्मदा नदी के पवित्र तट पर मनाया जा रहा है।

आज के डिजिटल युग में लाइट फेस्टिवल जैसे प्रसंग सेल्फी कल्चर का हिस्सा बन गए हैं, जहाँ हर फोटो पर्यटकों को प्रकाश, आनंद तथा भारतीय संस्कृति की एक नई कहानी कहती है।

प्रकाश पर्व पैवेलियन में 5 प्रकार की एलईडी लाइटिंग टेक्नोलॉजी द्वारा डेकोरेटिव सुशोभन किया गया

एकता प्रकाश पर्व पैवेलियन में एलईडी लाइट्स, आरजीबी एलईडी नियोन फ्लेक्स स्ट्रिप लाइट्स, कलरफुल लेसर प्रोजेक्शन लाइट्स, स्मार्ट सिंक्रोनाइज्ड लाइट्स, सोलर पावर्ड लाइटिंग से रजवाड़ा शैली के आर्किटेक्चर में देखने को मिल रही फूलों की नाजुक कढ़ाई, स्वर्ण अलंकार, क्लासिकल आकारों की लाइटिंग की कृतियाँ एकता द्वार से लेकर स्टैच्यू ऑफ यूनिटी तक के सात किलोमीटर के क्षेत्र की स्ट्रीट लाइट, गेंट्री मोटिफ्स, सरकारी भवन, पर्यटन आकर्षण, सर्किट हाउस, एकता मॉल, एडमिन बिल्डिंग तथा मुख्य मार्ग पर स्थित पेड़ विभिन्न लिटिंग डेकोरेशन से सुशोभित किए गए हैं।

मुख्य मार्ग से वैली ऑफ फ्लावर्स तक के 530 मीटर के मार्ग में सीलिंग लाइट्स, विभिन्न प्रकार के लाइटिंग आर्टिकल्स तथा थीम आधारित सेल्फी पॉइंट्स के साथ फोट बूथ्स आकाशगंगा की झाँकी देती दिखाई देती है। इसके साथ इसरो के मिशन चंद्रयान, ऑपरेशन सिंदूर की थीम, पक्षी, प्राणी, कलात्मक रूप, पेड़, फूल, धार्मिक चिह्न, ग्रह तथा सौरमंडल के रूप में आध्यात्मिक भारत की अद्भुत संकल्पनाओं को प्रकाश के रूप में व्यक्त किया गया है।

वैली ऑफ फ्लावर्स पैवेलियन में 140 मीटर लंबे वॉक-वे को ग्लो टनल में विभिन्न थीम आधारित कलरफुल लाइटिंग से स्टैच्यू ऑफ यूनिटी, जंगल सफारी, कैक्टस गार्डन, बटरफ्लाई गार्डन, उत्तरवाहिनी नर्मदा परिक्रमा, सोमनाथ, द्वारका, डाकोर जैसे विभिन्न धार्मिक स्थलों की थीम से कृतियाँ प्रदर्शित की गई हैं। सरदार सरोवर बांध में विशेष डिडाइन किए गए डाइनामिक लाइट एंड साउंड तथा सरदार पटेल की प्रतिमा पर शाम को लेसर शो का आयोजन किया गया है, जिसे देखने के लिए पर्यटकों में विशेष आकर्षण देखने को मिलता है।

दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण के बढ़ते खतरे के बीच रखें खुद को सुरक्षित, घर से लेकर डाइट तक अपनाएं ये जरूरी कदम!

(जीएनएस)।

दिल्ली की हवा इन दिनों फिर से जहरीली हो चुकी है। सुबह का कोहरा अब स्मॉग बन गया है, जो न सिर्फ आंखों में जलन पैदा करता है बल्कि फेफड़ों तक जहर पहुंचा रहा है। हर साल सर्दियों के आते ही दिल्ली-एनसीआर के लोग इस घुटन भरे माहौल के बीच जीने को मजबूर हो जाते हैं।

प्रदूषण के इस सीजन में अस्पतालों में सांस लेने में दिक्कत, खांसी, गले में खराश और अस्थमा के मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ जाती है। डॉक्टरों का कहना है कि इस समय सबसे जरूरी है सतर्क रहना और कुछ आसान उपाय अपनाकर खुद को इस जहरीली हवा के असर से बचाना। आइए जानते हैं कि विशेषज्ञों ने कौन-कौन से उपाय सुझाए हैं जिनसे आप अपनी सेहत की सुरक्षा कर सकते हैं।

घर के अंदर बनाएं "क्लीन एयर जोन"

दिल्ली में रहने वालों के लिए सबसे पहले जरूरी है कि वे अपने घर के अंदर साफ हवा का माहौल बनाएं।

HEPA एयर प्यूरीफायर लगाएंः यह डिवाइस घर में मौजूद बारीक धूल और प्रदूषक कणों को 99% तक फिल्टर कर देता है। कोशिश करें कि एयर प्यूरीफायर में True HEPA फिल्टर और Activated CarbonFilter दोनों हों, ताकि हवा में मौजूद गैस और गंध भी खत्म हो सके।

दरवाजे और खिड़कियां बंद रखेंः खासकर सुबह और शाम के समय जब हवा की गुणवत्ता सबसे खराब होती है।

धुआं और धूल से बचेंः घर के अंदर अगरबत्ती, धूपबत्ती, मोमबत्ती या मच्छर कॉइल जलाने से बचें। धूम्रपान भी बिल्कुल न करें। सफाई करते समय सूखे कपड़े की जगह गीले कपड़े या पोछे का इस्तेमाल करें ताकि धूल न उड़े।

सीमित वेंटिलेशनः अगर जरूरी हो, तो खिड़की थोड़ी देर के लिए दोपहर में खोलें जब धूप तेज हो और बाहर का अदकथोड़ा बेहतर हो।

बाहर निकलते समय रखें खास सावधानी

जब हवा की गुणवत्ता "खराब" या "गंभीर" श्रेणी में हो, तो बाहर जाने से जितना हो सके बचें।

N95 ¹ff KN95 मास्क पहनेंः ये मास्क PM2.5 जैसे सूक्ष्म कणों को रोकने में सक्षम होते हैं। कपड़े या सर्जिकल मास्क से कोई खास फायदा नहीं होता।

आउटडोर एक्टिविटी से परहेज करेंः इस दौरान सुबह या शाम की सैर, दौड़ना या एक्सरसाइज करना नुकसानदायक हो सकता है। कोशिश करें कि घर के अंदर योग, स्ट्रेचिंग या हल्की कसरत करें।

बच्चे और बुजुर्ग सावधान रहेंः इनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता कम होती है, इसलिए इन्हें बिल्कुल भी बाहर न जाने दें जब AQI 'Very Poor' या 'Severe' श्रेणी में हो।

ट्रैफिक वाले इलाकों से बचेंः गाड़ियों से निकलने वाला धुआं हवा में सबसे ज्यादा जहर घोलता है, इसलिए पीक ट्रैफिक समय में बाहर निकलने से बचें।

खानपान से करें शरीर की सुरक्षा

डॉक्टरों के अनुसार, सही खानपान से शरीर की प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाई जा सकती है और प्रदूषण से होने वाले असर को कुछ हद तक कम किया जा सकता है।

एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर आहार लेंः

विटामिन Cः आंवला, अमरूद, संतरा, शिमला मिर्च, कीवी जैसे फल खाएं।

विटामिन एः बादाम, सूरजमुखी के बीज, पालक, और ऑलिव ऑयल का सेवन करें।

ओमेगा-3 फैटी एसिड लेंः यह शरीर में सूजन कम करने में मदद करता है। इसके लिए अलसी के बीज, चिया सीड्स, अखरोट और मछली खाएं।

पानी ज्यादा पिएंः शरीर में पानी की पर्याप्त मात्रा रहने से फेफड़ों में जमा टॉक्सिन बाहर निकलने में मदद मिलती है।

भाप और नमक वाले पानी से गरारे करेंः इससे गले की जलन और कफ में राहत मिलती है।

डॉक्टर से सप्लीमेंट की सलाह लेंः स्मॉग के कारण सूरज की रोशनी कम मिलती है, जिससे विटामिन ऊकी कमी हो सकती है। जरूरत महसूस हो तो डॉक्टर से परामर्श लेकर सप्लीमेंट लें।

पहले से बीमार लोगों के लिए खास सुझाव

अगर किसी को अस्थमा, सीओपीडी (COPD) या किसी भी तरह की सांस की पुरानी बीमारी है, तो प्रदूषण के मौसम में खास सतर्क रहना चाहिए।

दवाएं और इन्हेलर साथ रखेंः कभी भी अस्थमा अटैक या सांस फूलने जैसी स्थिति बन सकती है, इसलिए डॉक्टर द्वारा बताई गई दवाएं हमेशा पास रखें।

लक्षणों पर नजर रखेंः अगर खांसी लगातार बनी रहे, सीने में भारीपन या सांस लेने में दिक्कत बढ़ जाए, तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।

घर में पौधे लगाएंः जैसे मनी प्लांट, पीस लिली, स्नेक प्लांट आदि, जो ऑक्सीजन स्तर बढ़ाने और हवा को शुद्ध करने में मदद करते हैं।

दिल्ली में प्रदूषण से पूरी तरह बचना शायद संभव नहीं, लेकिन सावधानी और जागरूकता से इसका असर काफी हद तक कम किया जा सकता है। हवा जहरीली है, लेकिन सतर्क रहकर और सही कदम उठाकर आप और आपका परिवार इससे सुरक्षित रह सकता है।

रवीन्द्र जडेजा आईपीएल में राजस्थान रॉयल्स के लिए कब खेले ? एक टेस्ट मैच की फीस से भी कम थी सैलरी

(जीएनएस)।

आईपीएल 2026 की नीलामी से पहले एक खबर हर किसी को हैरान कर रही है। बताया जा रहा है कि रवीन्द्र जडेजा को चेन्नई सुपर किंग्स (CSK) से ट्रेड कर राजस्थान रॉयल्स (RR) में शामिल किया जाएगा और बातचीत चल रही है। सूत्रों के मुताबिक, इस संभावित ट्रेड में संजू सैमसन का नाम भी जुड़ा है, जो इस खबर को और सनसनीखेज बना रहा है।

रविंद्र जडेजा पिछले 13 वर्षों से चेन्नई सुपर किंग्स का अहम हिस्सा रहे हैं। उन्होंने कप्तान महेंद्र सिंह धोनी के साथ मिलकर टीम को कई बार चैंपियन बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। अब खबरें हैं कि फ्रेंचाइजी टीम संयोजन और अगले चक्र की रणनीति को ध्यान में रखते हुए बड़े बदलावों पर विचार कर रही है।

जडेजा और राजस्थान रॉयल्स का पुराना रिश्ता

दिलचस्प बात यह है कि जडेजा का आईपीएल करियर राजस्थान रॉयल्स से ही शुरू हुआ था। साल

2008 में शेन वॉर्न की कप्तानी में जब राजस्थान रॉयल्स ने पहला आईपीएल खिताब जीता था, तब जडेजा उसी टीम का हिस्सा थे। दो साल तक वह राजस्थान रॉयल्स के लिए खेले थे। 2009 में मुंबई इंडियंस ने जडेजा से सम्पर्क किया था और रिलीज से पहले उनको किसी टीम के साथ जाने की अनुमति नहीं दी, उन पर डबल क्रॉस के आरोप लगे और 2010 में आईपीएल से बैन किये गए। साल 2012 में वह चेन्नई सुपर किंग्स में चले गए।

कितनी थी जडेजा की उस समय सैलरी

उस समय उन्हें 12 लाख रुपये की सैलरी पर टीम में शामिल किया गया था, जबकि आज एक टेस्ट मैच खेलने पर उन्हें 15 लाख रुपये मिलते हैं। उस समय जडेजा काफी नए थे और अंडर 19 टीम से आए थे, इस वजह से उनको रकम भी काफी कम मिली। समय के साथ उनकी वैल्यू बढती चली गई और प्रदर्शन में भी धमाल देखने को मिला।

चेन्नई सुपर किंग्स ने पिछले सीजन ही जडेजा को 18 करोड़ की भारी रकम के साथ रिटेन किया था। इस बार भी इतनी आसानी से जडेजा को चेन्नई नहीं जाने देगी। आधिकारिक पुष्टि होने पर ही अफवाहों पर विराम लगेगा।

बॉलीवुड एक्टर अभिषेक बच्चन के साथ लंबे समय से रह रहे मेकअप आर्टिस्ट अशोक सावंत का निधन

बॉलीवुड एक्टर अभिषेक बच्चन के जीवन में एक गहरा दुख आ गया है। खबर है कि अभिषेक बच्चन के साथ लंबे समय से रह रहे मेकअप आर्टिस्ट अशोक सावंत का निधन हो गया है।

अभिषेक बच्चन के मेकअप मैन का निधन

वहीं अभिषेक बच्चन ने सोशल मीडिया पर अशोक सावंत के साथ अपनी तस्वीरें शेयर करते हुए एक इमोशनल पोस्ट लिखा है जिसमें उन्होंने उन्हें केवल मेकअप मैन नहीं बल्कि अपने परिवार का हिस्सा बताया है।

27 साल से अभिषेक बच्चन के साथ थे अशोक सावंत

-अभिषेक बच्चन ने इंस्टाग्राम पर दो तस्वीरें पोस्ट करते हुए लिखा है- अशोक दादा और मैंने साथ में 27 साल काम किया था। वो मेरी पहली फिल्म से ही मेरे साथ थे। वो सिर्फ मेरी टीम का हिस्सा नहीं थे बल्कि मेरे परिवार के सदस्य थे। उनके बड़े भाई दीपक करीब 50 सालों तक मेरे पिता अमिताभ बच्चन के मेकअप मैन रहे थे।

-अभिषेक बच्चन ने आगे लिखा

है- अशोक दादा ने हमेशा बड़ी ही ईमानदारी और लगन से काम किया है। उनका स्वभाव बेहद शांत, हंसमुख और मिलनसार था। अभिषेक बच्चन ने बताया कि बीते कुछ सालों से अशोक सावंत की तबीयत ठीक नहीं थी।

इमोशनल हुए अभिषेक बच्चन और लिखा ऐसा पोस्ट

-अभिषेक बच्चन ने अपनी पोस्ट में लिखा है- वो बीमार थे इसलिए हमेशा मेरे साथ सेट पर नहीं आ पाते थे लेकिन जब भी मैं शूटिंग कर रहा होता था, वो मुझसे मिलने जरूर आते थे। मेरे मेकअप का ध्यान रखना उनका तरीका था कि सबकुछ परफेक्ट दिखे। वो हमेशा अपने साथ नमकीन चिवड़ा या भाकरवड़ी रखते थे, जिसे सभी के साथ शेयर करते थे। उनके चेहरे की मुस्कान कभी फीकी नहीं पड़ी।

-अभिषेक बच्चन ने लिखा है- बीती रात हमने उन्हें खो दिया और अब सेट पर उनका न होना बहुत खलेगा। वहीं पोस्ट के अंत में अभिषेक बच्चन ने लिखा है- जब भी मैं किसी नई फिल्म का पहला शॉट देता था तो सबसे पहले उनके पैर छूकर आशीर्वाद लेता था। अब मैं आसमान की ओर देखूंगा और जानूंगा कि आप वहां से मुझे देख रहे हैं और दुआ दे रहे हैं।

-अभिषेक बच्चन ने लिखा है- शुक्रिया दादा, आपके प्यार, देखभाल, टैलेंट और मुस्कुराहट के लिए। ये सोचकर ही दिल टूट जाता है कि अब जब मैं काम पर जाऊंगा तो आप वहां नहीं होंगे। ईश्वर आपकी आत्मा को शांति दे। जब हम फिर मिलेंगे तो मैं आपको गले लगाऊंगा।

बॉलीवुड इंडस्ट्री में शोक की लहर

अभिषेक बच्चन की इस पोस्ट पर फिल्म इंडस्ट्री के कई सितारों ने संवेदनाएं व्यक्त की हैं। सभी ने अशोक सावंत को एक समर्पित कलाकार और विनम्र इंसान बताया है। फिल्म जगत के लोग मानते हैं कि अशोक सावंत जैसे लोग कैमरे के पीछे रहकर सितारों को चमकाते हैं लेकिन उनका योगदान किसी से कम नहीं होता।

मोहम्मद शमी ने खुद किया खेलने से इनकार, टीम चयन को लेकर हुए नए खुलासे ने मचाई खलबली

(जीएनएस)।

मोहम्मद शमी ने भारतीय टीम को सफेद जर्दी में भी मुकाबले जिताए हैं लेकिन अब ऐसा लग रहा है कि व इस जर्सी में शायद ही कभी फिर से खेलते हुए देखे जा सकेंगे। लगातार वह टीम इंडिया से बाहर रहे हैं। बीच यह भी सामने आया था कि सलेक्टर्स से उनकी बात नहीं हुई लेकिन अब एक नई कहानी ने तहलका मचाया है।

खबरों के अनुसार शमी को इंग्लैंड दौरे के लिए टीम में शामिल किया जाना था और उनसे सम्पर्क भी किया गया, क्रिकेटर ने खुद ही फिटनेस का हवाला देते हुए मना कर दिया था। उसके बाद उन्होंने बयान देकर कहा था कि उनसे कोई बात नहीं की गई।

पीटीआई के अनुसार एक सीनियर ऑफिसियल ने कहा है कि कई बार राष्ट्रीय चयनकताओं और बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के सपोर्ट स्टाफ ने मोहम्मद शमी से संपर्क कर उनकी स्थिति की जानकारी ली है।

चयन समिति इंग्लैंड दौरे के लिए उन्हें टीम में शामिल करना चाहती थी, क्योंकि जसप्रीत बुमराह तीन से ज्यादा टेस्ट मैच खेलने की स्थिति में नहीं थे। इंग्लैंड जैसी कंडीशंस में ऐसे गेंदबाज को कौन नहीं लेना चाहेगा?

सूत्रों के अनुसार एक वरिष्ठ सदस्य ने शमी को कई मैसेज भेजे और अनुरोध किया कि कम से कम भारत ए के लिए वह इंग्लैंड में एक मैच खेले लें। ऐसा इसलिए किया गया था, ताकि मुख्य टेस्ट सीरीज से पहले उनकी फिटनेस को देखा जा सके।

वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार शमी से कोई बात नहीं हुई, ऐसा कहना सही नहीं होगा। उनके मेडिकल रिपोर्ट्स भी हैं, जिनमें देखने का प्रयास किया गया कि क्या उनका शरीर इंटरनेशनल क्रिकेट का दबाव झेलने के लिए पूरी तरह से तैयार है या नहीं।

गौरतलब है कि रणजी ट्रॉफी में दो मैच खेलकर शमी ने कुल 15 विकेट अपने नाम किये थे लेकिन दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज के लिए उनको टीम में शामिल नहीं किया गया।

RNI No.: UPHIN/25/A1697 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : ASHWANI KUMAR

गांधीनगर-जयपुर स्टेशन का पुनर्विकास कार्य

मुंबई,

35 दिनों के ब्लॉक के कारण पश्चिम रेलवे की कुछ ट्रेनें प्रभावित

उत्तर पश्चिम रेलवे के गांधीनगर-जयपुर स्टेशन के पुनर्विकास और बड़े स्तर पर उन्नयन कार्य के मद्देनजर 9 नवंबर से 13 दिसंबर, 2025 तक 35 दिनों का ब्लॉक लिया गया है, जिसके कारण पश्चिम रेलवे की कुछ ट्रेनें प्रभावित होंगी।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, ब्लॉक के कारण प्रभावित होने वाली ट्रेनों का विवरण इस प्रकार है:

शॉर्ट टर्मिनेट/ओरिजिनेट/आंशिक रूप से निरस्त होने वाली ट्रेनें:

1. 11 दिसंबर, 2025 तक बांद्रा टर्मिनस से यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 12979 बांद्रा टर्मिनस-जयपुर एक्सप्रेस सांगानेर स्टेशन पर शॉर्ट टर्मिनेट होगी। इसलिए, यह ट्रेन सांगानेर और जयपुर के बीच आंशिक रूप से निरस्त रहेगी।

2. 10 नवंबर, 2025 से 8 दिसंबर, 2025 तक बांद्रा टर्मिनस से यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 22933 बांद्रा टर्मिनस-जयपुर एक्सप्रेस सांगानेर स्टेशन पर शॉर्ट टर्मिनेट होगी। इसलिए, यह ट्रेन सांगानेर और जयपुर के बीच आंशिक रूप से निरस्त रहेगी। इसी प्रकार, 11 नवंबर, 2025 से 9 दिसंबर, 2025 तक जयपुर से यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 22934 जयपुर-बांद्रा टर्मिनस एक्सप्रेस सांगानेर स्टेशन से शॉर्ट ओरिजिनेट होगी। इसलिए, यह ट्रेन जयपुर और सांगानेर के बीच आंशिक रूप से निरस् त रहेगी।

3. 21 नवंबर, 2025 से 8 दिसंबर, 2025 तक मुंबई सेंट्रल से यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 12955 मुंबई सेंट्रल-जयपुर एक्सप्रेस दुगार्पुरा स्टेशन पर शॉर्ट टर्मिनेट होगी। इसलिए, यह ट्रेन दुगार्पुरा और जयपुर के बीच आंशिक रूप से निरस्त रहेगी। इसी प्रकार, 22 नवंबर, 2025 से 9 दिसंबर, 2025 तक जयपुर से यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 12956 जयपुर-मुंबई सेंट्रल एक्सप्रेस दुगार्पुरा स्टेशन से शॉर्ट ओरिजिनेट होगी। इसलिए, यह ट्रेन जयपुर और दुगार्पुरा के बीच आंशिक रूप से निरस्त रहेगी।

4. 22 नवंबर, 2025 से 8 दिसंबर, 2025 तक मुंबई सेंट्रल से यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 09001 मुंबई सेंट्रल-खातीपुरा स्पेशल अजमेर स्टेशन पर शॉर्ट टर्मिनेट होगी। इसलिए, यह ट्रेन अजमेर और खातीपुरा के बीच आंशिक रूप से निरस्त रहेगी। इसी प्रकार, 23 नवंबर, 2025 से 9 दिसंबर, 2025 तक खातीपुरा से यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 09002 खातीपुरा-मुंबई सेंट्रल स्पेशल अजमेर स्टेशन से शॉर्ट ओरिजिनेट होगी। इसलिए, यह ट्रेन खातीपुरा और अजमेर के बीच आंशिक रूप से निरस्त रहेगी।

5. 8 दिसंबर, 2025 को ओखा से यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 20951 ओखा-जयपुर एक्सप्रेस अजमेर स्टेशन पर शॉर्ट टर्मिनेट होगी। इसलिए, यह ट्रेन अजमेर और जयपुर के बीच आंशिक रूप से निरस् त रहेगी। इसी प्रकार, 9 दिसंबर, 2025 को जयपुर से यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 20952 जयपुर-ओखा एक्सप्रेस अजमेर स्टेशन से शॉर्ट ओरिजिनेट होगी। इसलिए, यह ट्रेन जयपुर और अजमेर के बीच आंशिक रूप से निरस् त रहेगी।

परिवर्तित मार्ग से चलने वाली ट्रेनें:

1. 13 दिसंबर, 2025 तक दिल्ली सराय रोहिल्ला से यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 12215 दिल्ली सराय रोहिल्ला-बांद्रा टर्मिनस एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग वाया रेवाड़ी-रींगस-फुलेरा स्टेशनों के रास्ते चलाई जाएगी और यह ट्रेन नारनौल, नीम का थाना और रींगस स्टेशनों पर रुकेगी।

2. 13 नवंबर, 2025 से 12 दिसंबर, 2025 तक पोरबंदर से यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 19269 पोरबंदर-मुजफ्फरपुर एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग वाया फुलेरा-रींगस-रेवाड़ी स्टेशनों के रास्ते चलाई जाएगी और यह ट्रेन रींगस, नीम का थाना और नारनौल स्टेशनों पर रुकेगी।

3. 25 नवंबर, 2025 और 02 दिसंबर, 2025 को श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा से यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 19416 श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा-साबरमती एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग वाया रेवाड़ी-रींगस-फुलेरा स्टेशनों के रास्ते चलाई जाएगी और यह ट्रेन नारनौल, नीम का थाना और रींगस स्टेशनों पर रुकेगी।

4. 09 दिसंबर, 2025 तक पोरबंदर से यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 20937 पोरबंदर-दिल्ली सराय रोहिल्ला एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग वाया फुलेरा-रींगस-रेवाड़ी स्टेशनों के रास्ते चलाई जाएगी और यह ट्रेन रींगस, नीम का थाना और नारनौल स्टेशनों पर रुकेगी।

5. 24 नवंबर, 2025 से 8 दिसंबर, 2025 तक दिल्ली सराय रोहिल्ला से यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 20938 दिल्ली सराय रोहिल्ला-पोरबंदर एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग वाया रेवाड़ी-रींगस-फुलेरा स्टेशनों के रास्ते चलाई जाएगी और यह ट्रेन नारनौल, नीम का थाना और रींगस स्टेशनों पर रुकेगी।

6. 26 नवंबर, 2025 और 3 दिसंबर, 2025 तक सुल्तानपुर से यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 20940 सुल्तानपुर-साबरमती एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग वाया रेवाड़ी-रींगस-फुलेरा स्टेशनों के रास्ते चलाई जाएगी और यह ट्रेन नारनौल, नीम का थाना और रींगस स्टेशनों पर रुकेगी।

7. 29 नवंबर, 2025 और 06 दिसंबर, 2025 को वाराणसी से यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 20964 वाराणसी-साबरमती एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग वाया रेवाड़ी-रींगस-फुलेरा स्टेशनों के रास्ते चलाई जाएगी और यह ट्रेन नारनौल, नीम का थाना और रींगस स्टेशनों पर रुकेगी।

8. 25 नवंबर, 2025 और 02 दिसंबर, 2025 को लखनऊ से यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 19402 लखनऊ-साबरमती एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग वाया भरतपुर-कोटा-आणंद-साबरमती स्टेशनों के रास्ते चलाई जाएगी और यह ट्रेन सवाई माधोपुर, कोटा, भवानी मंडी, शामगढ़, नागदा, रतलाम, दाहोद, गोधरा और आणंद स्टेशनों पर रुकेगी।

9. 25 नवंबर, 2025 को अयोध्या कैंट से यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 19202 अयोध्या कैंट-भावनगर टर्मिनस एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग वाया भरतपुर-कोटा-आणंद-अहमदाबाद-विरमगाम स्टेशनों के रास् ते चलाई जाएगी और यह ट्रेन सवाई माधोपुर, कोटा, भवानी मंडी, शामगढ़, नागदा, रतलाम, दाहोद, गोधरा और आणंद स्टेशनों पर रुकेगी।

रिशेड्युल होने वाली ट्रेनें:

1. 30 नवंबर, 2025 को मुंबई सेंट्रल से यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 12239 मुंबई सेंट्रल-हिसार एक्सप्रेस मुंबई सेंट्रल स्टेशन से 01:00 घंटा रिशेड्युल की जाएगी।

2. 23 नवंबर, 2025 से 07 दिसंबर, 2025 तक मुंबई सेंट्रल से यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 12239 मुंबई सेंट्रल-हिसार एक्सप्रेस मुंबई सेंट्रल स्टेशन से 01:30 घंटे रिशेड्युल की जाएगी।

3. 23 नवंबर, 2025 को इंदौर से यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 12465 इंदौर-भगत की कोठी एक्सप्रेस इंदौर स्टेशन से 03:00 घंटे रिशेड्युल की जाएगी।

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने गांधीनगर में मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल से भेंट की

वाइब्रेंट गुजरात समिट की सफलता तथा सीएम डैशबोर्ड से प्रभावित हुए साय

गांधीनगर, 10 नवंबर :छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने सोमवार को गांधीनगर में मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल से भेंट की।

श्री साय एकता नगर में चल रहे भारत पर्व में सोमवार रात होने वाली छत्तीसगढ़ राज्य की विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के कलाकारों को प्रोत्साहित करने के लिए गुजरात यात्रा पर आए हैं।

वे आगामी समय में छत्तीसगढ़ में आयोजित होने जा रहे छत्तीसगढ़ इन्वेस्टर कनेक्ट में गुजरात के निवेशकों को आकर्षित करने के लिए मंगलवार को अहमदाबाद में उनके साथ बैठकें करने वाले हैं।

इन कार्यक्रमों से पहले श्री साय ने सोमवार को गांधीनगर में मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल से मुलाकात की और गुजरात द्वारा वाइब्रेंट समिट की उत्तरोत्तर सफलता के चलते मोस्ट प्रिफर्ड डेस्टिनेशन फॉर इन्वेस्टमेंट का स्थान प्राप्त किए जाने के बारे में जानने में गहरी रुचि दर्शाई।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा एवं मार्गदर्शन में इस वर्ष रीजनल वाइब्रेंट कॉन्फ्रेंस के प्रयोग द्वारा गुजरात के जिलों में औद्योगिक निवेशकों को प्रोत्साहित कर वोकल फॉर लोकल तथा लोकल टु ग्लोबल के उद्देश्य के साथ वर्ल्ड मार्केट देने के दृष्टिकोण से अवगत कराया।

श्री साय ने गुजरात की इंडस्ट्रियल पॉलिसी की विस्तृत जानकारी के लिए प्रधान उद्योग सचिव सहित वरिष्ठ सचिवों के साथ भी बैठक की।

इतना ही नहीं; उन्होंने गुजरात में पब्लिक डिलीवरी सर्विसेज सिस्टम तथा जन हितकारी योजनाओं की ट्रांसपरेंट एवं रीयल टाइम मॉनिटरिंग के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दिशादर्शन में विकसित किए गए सीएम डैशबोर्ड की गतिविधियों की जानकारी प्राप्त करने के लिए सीएम डैशबोर्ड की भी मुलाकात ली। वे रीयल टाइम मॉनिटरिंग तथा जन संवाद केन्द्र के फीडबैक मैकेनिज्म के कामकाज की सघन जानकारी प्राप्त कर प्रभावित हुए। उन्होंने गुजरात की ऐसी पहलों को छत्तीसगढ़ में शुरू करने में भी रुचि दर्शाई।

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के साथ मुलाकात के अवसर पर मुख्यमंत्री की अपर प्रधान सचिव श्रीमती अवंतिका सिंह, मुख्यमंत्री के सचिव डॉ. विक्रांत पांडे, इंडस्ट्रियल एक्सटेंशन ब्यूरो (इंडेक्स्ट-बी) के प्रबंध निदेशक श्री केयुर संपत तथा सीएम डैशबोर्ड के वरिष्ठ अधिकारी सहभागी हुए।

ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में 'सीमाओं की समझ और सुरक्षा' विषय पर कार्यशाला आयोजित...

लखनऊ, 10 नवंबर 2025

ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के विधि संकाय में सोमवार को 'सीमाओं की समझ और सुरक्षा' विषय पर कार्यशाला आयोजित की गई। यह कार्यक्रम एसोसिएशन फॉर एडवोकेसी एंड लीगल इनिशिएटिव्स (आली) संस्था के सहयोग से संपन्न हुआ।

मुख्य अतिथि के रूप में विधि संकाय के डीन प्रोफेसर मसऊद आलम और विशिष्ट अतिथि के रूप में विभागाध्यक्ष डॉ. पीयूष त्रिवेदी उपस्थित रहे। आली संस्था की ओर से फखरुनिशा, समान रहमान और मन्नतशा ने मंच संचालन किया।

विश्वविद्यालय के कुलानुशासक डॉ. नीरज शुक्ल ने सीमाओं के महत्व और कर्तव्यों की समझ पर प्रकाश डालते हुए कहा कि विद्यार्थियों को अपने अधिकारों के साथ-साथ अपने दायित्वों का भी ज्ञान होना चाहिए। उन्होंने विधिक पेशे में गरिमा और नैतिक मूल्यों को सर्वोपरि बताया।

संस्था आली की कार्यक्रम अधिकारी फखरुनिशा ने सहमति-असहमति तथा कार्यस्थल पर महिलाओं की यौन सुरक्षा जैसे विषयों पर विद्यार्थियों को जागरूक किया।

कार्यक्रम का संचालन सहायक आचार्य डॉ. दीक्षा मिश्रा ने किया। इस अवसर पर प्रो. चंदना डे, डॉ. नलिनी मिश्रा, डॉ. कृष्णा मुकुंद, श्री अंशुल पांडेय, डॉ. श्वेता त्रिवेदी, डॉ. प्रशांत वरुण, तान्या सागर, जैनब इफ्तार, रविकेश मौर्य, भानु प्रताप सिंह सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

अंत में अतिथियों ने विद्यार्थियों से अपने अधिकारों के प्रति सजग रहने और सामाजिक सीमाओं का सम्मान करने का आ'ान किया।

गुजरात सरकार के उद्यमिता प्रशिक्षण से राज्य के जनजातीय बन रहे आत्मनिर्भर, पिछले 4 वर्षों में 120+ जनजातीय बने सफल उद्यमी

- पिछले 4 वर्षों में ₹2 करोड़ खर्च कर 1,000+ युवाओं को दिया उद्यमिता प्रशिक्षण

- उद्यमिता प्रशिक्षण के लिए राज्यभर में संचालित है 42 स्किल अप-ग्रेडेशन सेंटर्स (स्वउर) और 9 रीजनल सेन्टर्स
- वर्ष 2021-22 से 2024-25 के बीच 1300+ जनजातीय युवाओं को मिला कौशल प्रशिक्षण, 223 लाभार्थियों को मिले रोजगार के अवसर

गांधीनगर, 10 नवंबर : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'जनजातीय समाज को आत्मनिर्भरता के पथ पर अग्रसर करने' के विचार मंत्र को आधार बनाकर गुजरात सरकार राज्य के आदिवासी समाज के आर्थिक सशक्तिकरण, और आत्मनिर्भरता के लिए कई गहन प्रयास कर रही है। गुजरात के उद्योग आयुक्त कार्यालय के अंतर्गत कार्यरत उद्यमिता विकास केंद्र (उएऊ गुजरात) द्वारा जनजातीय युवाओं के कौशल, रोजगार और उद्यमिता विकास को गति देने के लिए कई वर्षों से उद्यमिता प्रशिक्षण और कौशल विकास की सुविधा दी जा रही है।

4 वर्षों में 1,000+ युवाओं को उद्यमिता प्रशिक्षण, ₹2 करोड़ खर्च, 120 बने सफल उद्यमी

पिछले चार वर्षों (2021-22 से 2024-25) में गुजरात सरकार, उद्योग आयुक्तालय के अधीन कार्यरत सेंटर फॉर ऑन्त्रप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट (उएऊ) ने 14 से अधिक जनजातीय जिलों में ऑन्त्रप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट प्रोग्राम (एउद्ध) और जागरूकता कार्यशालाओं के माध्यम से हजारों युवाओं को प्रशिक्षण देकर उन्हें आत्मनिर्भर बनने की दिशा में सशक्त रूप से प्रेरित किया है। उल्लेखनीय है कि गुजरात सरकार की इस विशेष पहल के द्वारा हर साल आदिजाति क्षेत्र के लगभग 200 से अधिक युवाओं को विभिन्न उद्यमिता से संबंधित प्रोफेशनल ट्रेनिंग की सुविधा दी जाती है जिससे राज्य के आदिवासी जिलों के लगभग 30 से अधिक प्रशिक्षु स्वरोजगार और आत्मनिर्भरता की दिशा में कदम बढ़ा रहे हैं।

बीते 4 वर्षों में राज्य सरकार ने ₹2 करोड़ खर्च कर 1000+ आदिजाति युवाओं को उद्यमिता प्रशिक्षण की सेवाएँ दी है। इनमें से 120+ युवा अब अपने व्यवसाय को सफलतापूर्वक संचालित करते हुए आत्मनिर्भरता की ओर कदम बढ़ा रहे हैं।

इसी तरह कौशल विकास के प्रयास के तहत 2021-22 से 2024-25 के दौरान 1300+ जनजातीय युवाओं को कौशल विकास का प्रशिक्षण दिया गया। उल्लेखनीय है कि पिछले तीन वर्षों में 223 आदिजाति युवाओं को प्रशिक्षण के पश्चात प्रत्यक्ष रोजगार के अवसर प्राप्त हुए हैं।

गुजरात सरकार के प्रयासों से जनजातीय युवा बन रहे आत्मनिर्भरता की मिसाल

गुजरात में कौशल विकास और उद्यमिता प्रशिक्षण के प्रभाव अब जमीन पर भी स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगे हैं। वलसाड जिले के गुंडलव ॠकुऊ में श्री हितेश पटेल ने भी राज्य सरकार के उएऊ से बिजनेस डेवलपमेंट प्रशिक्षण के बाद स्टैंडर्ड इक्विपमेंट संस्था की स्थापना की। रासायनिक उद्योग में उपयोग होने वाले प्रोसेस पंपों के निर्माण में उनकी कंपनी अब अग्रणी बन चुकी है। आदित्य बिड़ला ग्रुप और टएफळड जैसे दिग्गज ग्राहक, 15 सदस्यों की टीम और ₹3 करोड़ का वार्षिक कारोबार स्पष्ट करता है कि कौशल-आधारित उद्यमिता क्षेत्रीय औद्योगिक विकास के लिए कितनी निर्णायक साबित हो सकती है।

डांग की जनजातीय बस्ती की श्रीमती दक्षाबेन बिरारी ने उएऊ के प्रशिक्षण और सखी मंडल के सहयोग से अंबिका हलदर फार्म स्थापित कर पारंपरिक हल्दी खेती को आधुनिक एग्रो-बिजनेस में बदला। उनका वार्षिक टर्नओवर ₹80 लाख से अधिक हो गया है और वे स्थानीय आदिजाति महिलाओं को रोजगार भी दे रही हैं।

इसी तरह, वडोदरा जिले के वाघोडिया में श्री तरुण वसावा ने खरढ प्लास्टिक्स के माध्यम से प्लास्टिक मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में मजबूत पहचान बनाई। 15 लोगों को रोजगार देने वाली उनकी इकाई का मौजूदा वार्षिक कारोबार लगभग ₹1 करोड़ के आसपास है, और अब वे सौर ऊर्जा इंस्टॉलेशन के नए व्यवसाय के साथ अपने उद्यम को भविष्य की दिशा में विस्तारित कर रहे हैं।

एक और प्रेरक उदाहरण अरावली जिले के मेघरज की श्रीमती जयाबेन वरसत का है जिन्होंने गुजरात सरकार के उएऊसे प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद जयश्री ऑर्गेनिक गृह उद्योग की स्थापना की। आज वे 25 लोगों को रोजगार देकर ग्रामीण महिला उद्यमिता का सशक्त मॉडल पेश कर रही हैं।

क्या है जनजातीयों के आर्थिक सशक्तिकरण के लिए गुजरात का उद्यमिता प्रशिक्षण मॉडल?

गुजरात सरकार के उद्यमिता प्रशिक्षण मॉडल में 42 स्किल अप-ग्रेडेशन सेंटर्स, एंकर इन्स्टीट्यूट्स, उद्योग आधारित ब्रिज कोर्सेस और स्पेशलाइज्ड स्किल डेवलपमेंट सेंट्र को मिलाकर एकीकृत और मजबूत व्यवस्था विकसित की गई है। आधुनिक उपकरणों, स्मार्ट क्लासरूम और स्थानीय उद्योगों के साथ साझेदारी के माध्यम से इन केंद्रों को इस प्रकार सक्षम बनाया गया है कि प्रशिक्षण सीधे उद्यमिता और रोजगार में परिवर्तित हो सके।

ये प्रशिक्षण कोर्स कई क्षेत्रों रासायनिक प्रसंस्करण, इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक्स, परिधान और सिलाई, सौंदर्य एवं वेलनेस, लॉजिस्टिक्स, आईटी और डेटा एंट्री, तथा नवीकरणीय ऊर्जा सहित को कवर करते हैं। राज्य सरकार का कहना है कि इन कोर्सों का पाठ्यक्रम स्थानीय आर्थिक संभावनाओं और उद्योग की वास्तविक जरूरतों के अनुरूप तैयार किया गया है।

11-12 नवंबर को 3 घंटे के लिए रांधेजा स्थित रेलवे फाटक नं. 13 और 15 सड़क यातायात हेतु बंद रहेगा

पश्चिम रेलवे अहमदाबाद मंडल के गांधीनगर हाईवे पर रांधेजा स्थित रेलवे फाटक नं. 13 और रेलवे फाटक नं. 15 दिनांक 11-12 नवंबर 2025 को 3 घंटे के लिए सड़क यातायात हेतु बंद रहेगा।

आदरज मोटी-विजापुर रेलवे लाइन गेज परिवर्तन परियोजना के अंतर्गत प्रस्तावित मशीन टेंपिंग कार्य (MTT) हेतु गांधीनगर हाईवे से रूपाल के बीच रांधेजा स्थित रेलवे क्रॉसिंग नं. 13 दिनांक 11 नवंबर 2025 को 22.00 बजे से 12 नवंबर 2025 को 01.00 बजे तक 3 घंटे के लिए बंद रहेगा तथा गांधीनगर हाईवे से मानसा के बीच रांधेजा स्थित रेलवे क्रॉसिंग नं. 15 दिनांक 12 नवंबर 2025 को रात्रि 01.00 बजे से 04.00 बजे तक 3 घंटे के लिए सड़क यातायात हेतु बंद रहेगा

न्यू भुज रेलवे स्टेशन का उन्नयन कार्य तेजी से प्रगति पर

75 प्रतिशत कार्यपूर्ण, यात्रियों को मिलेंगी आधुनिक अवसंरचना और विश्वस्तरीय सुविधाएँ कच्छ की सांस्कृतिक धरोहर को प्रतिबिंबित करेगा नया स्टेशन भवन

पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मंडल पर अमृत भारत स्टेशन योजना (अइरर) के अंतर्गत न्यू भुज रेलवे स्टेशन का उन्नयन कार्य तेजी से प्रगति पर है। इस परियोजना की स्वीकृत लागत लगभग ₹200 करोड़ है, जिसमें से लगभग 75% कार्य अब तक पूर्ण हो चुका है। साथ ही भुज स्टेशन यार्ड में दो पिट लाइन भी बनाई जा रही है, नई पिट लाइनें बनने से कोचिंग ऑपरेशनों की क्षमता और दक्षता में वृद्धि होगी, जिससे अधिक ट्रेनों की रेक मेंटेनेंस और ऑपरेशन संभव हो सकेगा।

भुज-नलिया मीटर गेज रेलखंड (101.40 किमी) को ब्रॉड गेज लाइन में परिवर्तित किया जा चुका है। जिसे 28 अक्टूबर 2024 को माननीय प्रधानमंत्री जी ने देश को समर्पित किया। साथ ही नलिया से जखाऊ पोर्ट तक 28.88 किमी नई ब्रॉड गेज लाइन का कार्य प्रगति पर है। इससे कच्छ जिले के दूरस्थ क्षेत्रों को देश के रेल नेटवर्क से निर्बाध ब्रॉड गेज संपर्क प्रदान होगा। इस रेल लाइन से पोर्ट कनेक्टिविटी में वृद्धि होगी तथा कच्छ जिले में बंदरगाहों के माध्यम से निर्यात-आयात को प्रोत्साहन मिलेगा। इस क्षेत्र के सीमेंट उद्योगों को भी इससे विशेष लाभ होगा और नमक, खनिज एवं अन्य कच्चे माल के कुशल परिवहन में सुगमता आएगी।

भुज-नलिया रेल लाइन का आगे वायोर तक (26.55 किमी) विस्तार का कार्य भी प्रगति पर है इसके पूर्ण होने पर देश की सेना को सीमा क्षेत्र तक पहुँचने और सामान परिवहन में भी सुविधा मिलेगी।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 27 अगस्त 2025 को देशलपार - हाजीपीर - लूना और वायोर - लखपत नई लाइन परियोजनाओं को मंजूरी दी है। प्रस्तावित नई रेल लाइन कच्छ क्षेत्र के सुदूर इलाकों को कनेक्टिविटी प्रदान करेगी। यह गुजरात के मौजूदा रेलवे नेटवर्क में 145 रूट किमी और जोड़ेगी, जिसकी अनुमानित लागत 2526 करोड़ रुपये है।

गुजरात राज्य में पर्यटन को बढ़ावा देने के अलावा, यह नई रेल लाइन नमक, सीमेंट, कोयला, क्लिंकर और बेंटोनाइट के परिवहन में भी मदद करेगी। इस परियोजना का सामरिक महत्व यह है कि यह कच्छ के रण को कनेक्टिविटी प्रदान करेगी। हड़प्पा स्थल धोलावीरा, कोटेश्वर मंदिर, नारायण सरोवर और लखपत किला भी रेल नेटवर्क के अंतर्गत आएंगे क्योंकि 13 नए रेलवे स्टेशन जोड़े जाएँगे जिससे 866 गाँवों और लगभग 16 लाख आबादी को लाभ होगा। इन विकासात्मक पहलों से क्षेत्र में रोजगार के अवसरों में वृद्धि होगी, जिससे सामाजिक एवं आर्थिक प्रगति को गति मिलेगी।

गुजरात का गांधीधाम क्षेत्र पश्चिम रेलवे का अधिकतम माल लदान वाला क्षेत्र है यहां से अप्रैल 2025 से अक्टूबर 2025 तक औद्योगिक नमक का 1.727 मिलियन मीट्रिक टनळ, खाद्य नमक का 1.119 मिलियन मीट्रिक टन और कंटेनर का 10.586 मिलियन मीट्रिक टन का लदान किया गया। जो एक उल्लेखनीय उपलब्धि है।

न्यू भुज स्टेशन का यह रूपांतरण न केवल रेल यात्रियों के लिए बल्कि स्थानीय नागरिकों और पर्यटकों के लिए भी लाभकारी सिद्ध होगा। भुज स्टेशन को आगामी 40 से 50 वर्षों तक की कच्छ क्षेत्र की यात्रा आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर पुनर्विकसित किया जा रहा है।

परियोजना की प्रमुख विशेषताएँ एवं लाभः

मुख्य स्टेशन भवनः लगभग 1.37 लाख वर्गफुट क्षेत्र में तथा द्वितीय प्रवेश भवन 11,600 वर्गफुट क्षेत्र में बनाया जा रहा है, जिससे यात्रियों की आवाजाही और सुगमता में वृद्धि होगी।

आधुनिक वेटिंग एरिया कांकसर्ः 8,000 वर्गफुट में 450 से अधिक यात्रियों के बैठने की व्यवस्था होगी, जिससे प्रतीक्षा के दौरान आरामदायक रहेगा।

विशाल कांकसर्ः (35,000 वर्गफुट) यात्रियों के आवागमन को सुविधाजनक बनाएगा और भीड़-प्रबंधन में सहायता करेगा।

सुगम संपर्क व्यवस्थाः स्टेशन पर कुल 3 फुट ओवरब्रिज (FOB) बनाए जा रहे हैं, जिनमें दो 6 मीटर चौड़े एवं एक 8 मीटर चौड़ा है। इससे प्लेटफॉर्मों के बीच यात्रियों की आवाजाही और अधिक सुरक्षित एवं आसान होगी।

प्लेटफॉर्म उन्नयनः लगभग 1.32 लाख वर्गफुट क्षेत्र जिसमें 1.20 लाख वर्गफुट की छतयुक्त संरचना यात्रियों को हर मौसम में सुविधा प्रदान करेगी।

हरित एवं स्मार्ट अवसंरचनाः 500 KWP सौर ऊर्जा संयंत्र, वर्षा जल संचयन प्रणाली, 560 ङछऊ सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट तथा 32,000 वर्गफुट से अधिक हरित क्षेत्र का विकास पर्यावरण संरक्षण में अहम भूमिका निभाएगा।

उन्नत यात्री सुविधाएँः 13 लिफ्ट, 10 एस्केलेटर, आधुनिक फायर डिटेक्शन सिस्टम, 250 टन क्षमता का HVAC सिस्टम , CCTV निगरानी, पब्लिक एड्रेस सिस्टम, एक्सेस कंट्रोल, SCADA और Wi-Fi सुविधा से यात्रियों को सुरक्षा, सुविधा और कनेक्टिविटी का समन्वय मिलेगा।

पार्किंग सुविधाः स्टेशन के दोनों ओर 50 से अधिक कारों, 400 से अधिक दोपहिया वाहनों, 30 ऑटो रिक्शा और 4 इलेक्ट्रिक चार्जिंग स्टेशन की व्यवस्था की जा रही है, जिससे यात्रियों और स्थानीय नागरिकों को बेहतर पार्किंग अनुभव मिलेगा।

पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रतिबद्धताः हरित भवन प्रमाणन प्राप्त करने का लक्ष्य रखा गया है, साथ ही परिसर में वृक्षारोपण एवं पौधारोपण से स्वच्छ और हरित वातावरण सुनिश्चित किया जाएगा।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने गांधीनगर में जनगणना (सेंसस) गुजरात की नई वेबसाइट लॉन्च की, उप मुख्यमंत्री श्री हर्ष संघवी भी रहे मौजूद

- डिजिटल गवर्नेंस के जरिए जनगणना से प्रधानमंत्री का जनकल्याण का उद्देश्य साकार होगा और कल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी नियोजन एवं क्रियान्वयन से संतुलित विकास को बल मिलेगा : मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल
- जनगणना गुजरात की नई वेबसाइट मॉडर्न एलिमेंट्स, आसान मेनू और बहुभाषी समर्थन के साथ यूजर की आसान पहुंच सुनिश्चित करती है

गांधीनगर, 10 नवंबर : मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने उप मुख्यमंत्री श्री हर्ष संघवी की उपस्थिति में सोमवार को गांधीनगर में जनगणना (सेंसस) गुजरात की अद्यतन वेबसाइट https://gujarat.census.gov.in/ को लॉन्च किया।

गुजरात, दादरा और नगर हवेली तथा दमन और दीव के जनगणना निदेशक कार्यालय की ओर से तैयार की गई यह वेबसाइट मॉडर्न एलिमेंट्स, आसान मेनू और बहुभाषी समर्थन के साथ यूजर्स की आसान पहुंच सुनिश्चित करती है।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने इस वेबसाइट को लॉन्च करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने जनकल्याण की सभी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और नियोजन से संतुलित विकास हासिल करने का जो लक्ष्य रखा है, वह ह्यजनगणना से जनकल्याणह्ल की टैगलाइन के सुसंगत है। उन्होंने कहा कि नई वेबसाइट के लॉन्च होने से इसे और अधिक बल मिलेगा।

मुख्यमंत्री ने इस बार, पहली बार मोबाइल एप्लिकेशन के जरिए पूर्णतः डिजिटल तरीके से की जा रही जनगणना 2027 की सराहना करते हुए कहा कि नागरिक वेब पोर्टल के माध्यम से सुरक्षित रूप से अपना डेटा सबमिट कर सकें, इसके लिए पहली बार सेल्फ एन्यूमरेशन यानी स्व-गणना की सुविधा भी शुरू की जा रही है। इससे पायलट प्रोजेक्ट में चयनित जिलों से प्रत्यक्ष और सीधा अनुभव प्राप्त होगा।

राज्य के जनगणना निदेशक श्री सुजल मयात्रा ने इस वेबसाइट की विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि आगामी 2027 की जनगणना के लिए रिहर्सल शुरू हो चुका है और विभिन्न मोबाइल ऐप्स की टेस्टिंग की जा रही है।

उन्होंने बताया कि जनगणना 2027 के प्री-टेस्ट यानी पूर्व-परीक्षण के लिए गुजरात की सूरत महानगर पालिका के 133 ब्लॉक, दाहोद की देवगढ़बारिया तहसील के 26 गांवों के 70 ब्लॉक और मोरबी जिले की टंकारा तहसील के 25 गांवों के 60 ब्लॉकों का चयन किया गया है। उन्होंने इन चयनित क्षेत्रों में 10 से 30 नवंबर तक चलने वाले पूर्व-परीक्षण के कार्यों की भी जानकारी दी।

इस वेबसाइट के लॉन्चिंग अवसर पर मुख्य सचिव श्री एम.के. दास, मुख्यमंत्री की अपर प्रधान सचिव श्रीमती अवंतिका सिंह और जनगणना निदेशक कार्यालय, गुजरात के अधिकारी मौजूद रहे।

12 लाख से ज्यादा श्रद्धालु कीर्तन, नगर-कीर्तन और अरदास में शामिल हुए, मान सरकार का ऐतिहासिक फैसला

(जीएनएस)।

श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी के 350वें शहीदी वर्ष के उपलक्ष्य में पंजाब सरकार ने नवंबर 2025 को "शहीदी स्मरण माह" के रूप में मनाने का ऐतिहासिक फैसला लिया है। यह पहला मौका है जब पूरे राज्य में एक महीने तक लगातार सरकारी स्तर पर इतने बड़े कार्यक्रम हो रहे हैं। कार्यक्रम 1 नवंबर से शुरू हुए। हर जिले के गुरुद्वारों में रोज सुबह-शाम कीर्तन, अरदास और कथा हो रही है। अब तक 12 लाख से ज्यादा श्रद्धालु इन समागमों में शामिल हो चुके हैं।

प्रदेश के बड़े शहरों अमृतसर, लुधियाना, पटियाला, जालंधर, श्री आनंदपुर साहिब और श्री फतेहगढ़ साहिब में रोज "शहीदी कीर्तन दरबार" हो रहे हैं। इनमें पंजाब और बाहर से भी संगत पहुंच रही है। शहरों के मुख्य बाजारों और रूट्स पर नगर-कीर्तन निकाले जा रहे हैं। प्रशासन ने सुरक्षा और ट्रैफिक के लिए पूरे महीने अतिरिक्त पुलिस, होमगार्ड और मेडिकल टीम तैनात की है।

मान सरकार ने तय किया कि गुरु साहिब की शिक्षा सिर्फ श्रद्धांजलि तक सीमित न रहे, बल्कि सेवा और समाज तक पहुंचे। इसी कारण पूरे पंजाब में 500 से ज्यादा सेवा शिविर लगाए गए हैं। इनमें से कई जगह रोज लंगर

चलता है। स्वास्थ्य विभाग ने 220 मेडिकल शिविर लगाए, जिनमें करीब 1.4 लाख लोगों का मुफ्त चेकअप हुआ और दवाइयां दी गईं। शिक्षा विभाग ने भी राज्यभर में "मोरल एजुकेशन ड्राइव" शुरू की है। 20 हजार से ज्यादा स्कूलों और कॉलेजों में 10 लाख से अधिक छात्रों ने निबंध, कविता, पोस्टर, भाषण और सांस्कृतिक कार्यक्रमों में हिस्सा लिया।

यह भी पढ़ें: ढ४ल्लुं: पंजाब में पराली जलाने की घटनाओं में 90% की कमी, मान सरकार की योजना हो रही कारगर

बच्चों को यह बताया गया कि गुरु तेग बहादुर जी की शहादत सिर्फ इतिहास नहीं, बल्कि इंसानियत की रक्षा का सबसे बड़ा उदाहरण है। सरकार की "डिजिटल डॉक्यूमेंट्री सीरीज" को ऑनलाइन लाखों बार देखा जा चुका है। पहली बार राज्य सरकार ने धार्मिक और सांस्कृतिक इतिहास को तकनीक के साथ जोड़कर घर-घर तक पहुंचाया।

विशेष कीर्तन और अरदास का आयोजन

10 नवंबर को राज्यभर में विशेष कीर्तन और अरदास आयोजित की गई है। अमृतसर और श्री आनंदपुर साहिब में हजारों की संख्या में संगत पहुंच रही है। प्रबंधन समितियों ने रात भर सफाई, रोशनी, पानी, पार्किंग और सुरक्षा की तैयारी की। जिले-दर-जिले कंट्रोल रूम बनाए गए हैं ताकि किसी श्रद्धालु को किसी तरह की परेशानी न हो। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि गुरु तेग बहादुर जी की शहादत धर्म की आजादी की सबसे बड़ी मिसाल है। सरकार का मकसद है कि पंजाब का हर बच्चा समझे कि धर्म का मतलब नफरत नहीं, बल्कि भाईचारा, साहस और इंसानियत है। नवंबर के बाकी दिनों में भी स्कूलों और विश्वविद्यालयों में "मानवता और धार्मिक स्वतंत्रता" पर सेमिनार और चर्चाएं होंगी।

इन कार्यक्रमों ने साबित किया कि पंजाब सिर्फ इतिहास नहीं मनाता, बल्कि सीख को समाज में लागू भी करता है। राज्य में एकता, सेवा और भाईचारे का माहौल बन रहा है। गांवों से लेकर शहरों तक, नौजवानों से लेकर बुजुर्गों तक, हर कोई यही संदेश दे रहा है कि गुरु साहिब का बलिदान हमेशा ज़िंदा रहेगा। 350 साल बाद भी उनका साहस, त्याग और इंसानियत पंजाब के दिल में बसते हैं। पंजाब की जनता कह रही है, "जहां इंसानियत खतरे में हो, वहां खड़े होना ही असली धर्म है।"

सेबी की चेतावनी के बाद स्ट्रेस में इन्वेस्टर्स, डिजिटल गोल्ड में निवेश से पहले एक बार जरूर देख लें ये सलाह

(जीएनएस)।

डिजिटल गोल्ड के नाम पर आजकल ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर निवेश का बड़ा आकर्षण देखने को मिलता है। "सिर्फ मोबाइल से गोल्ड खरीदें", "सुरक्षित और आसान निवेश" जैसे दावे हर जगह नजर आते हैं। लेकिन अब सेबी (SEBI) ने निवेशकों को आगाह किया है कि हर डिजिटल गोल्ड भरोसेमंद नहीं होता। सेबी ने हाल ही में जारी नोटिस में बताया कि कई ऐसे प्लेटफॉर्म चल रहे हैं जो उसकी निगरानी से बाहर हैं और इनमें निवेश करने वाले लोगों को भारी नुकसान झेलना पड़ सकता है।

भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (SEBI) ने साफ कहा है कि डिजिटल या ई-गोल्ड नाम से पेश किए जाने वाले उत्पाद सिक्योरिटी या कमोडिटी डेरिवेटिव की श्रेणी में नहीं आते। ऐसे में अगर कोई कंपनी आर्थिक परेशानी में पड़ जाए या निवेशकों को गोल्ड की डिलीवरी न दे पाए, तो सेबी की सुरक्षा व्यवस्था इन पर लागू नहीं होगी। इसलिए निवेशकों को सलाह दी गई है कि रिस्क देखकर ही डिजिटल तरीके से गोल्ड में निवेश करें।

कौन-से गोल्ड निवेश सेबी के नियमों के तहत आते हैं?

सेबी के अनुसार निवेशक अगर गोल्ड में सुरक्षित निवेश करना चाहते हैं तो वे गोल्ड एक्सचेंज ट्रेडेड फंड

(ETF), इलेक्ट्रॉनिक गोल्ड रिसीट (EGR) या एक्सचेंज ट्रेडेड कमोडिटी डेरिवेटिव कॉन्ट्रैक्ट जैसे सेबी-अनुमोदित विकल्प चुन सकते हैं। ये सभी निवेश सेबी के सुरक्षा दायरे में आते हैं और इन्हें सेबी-पंजीकृत मध्यस्थों के माध्यम से खरीदा जा सकता है।

नियंत्रण से बाहर हैं कई डिजिटल गोल्ड प्लेटफॉर्म

सेबी ने कहा कि कई ऑनलाइन प्लेटफॉर्म "डिजिटल गोल्ड" या "ई-गोल्ड" नाम से उत्पाद बेच रहे हैं, जिन्हें असल में सिक्योरिटी या कमोडिटी डेरिवेटिव के रूप में मान्यता नहीं मिली है। ऐसे उत्पाद पूरी तरह से सेबी के नियंत्रण से बाहर हैं, इसलिए इनमें किसी भी प्रकार की निवेशक सुरक्षा नहीं मिलती।

निवेशकों के लिए बड़ा जोखिम

डिजिटल गोल्ड प्लेटफॉर्म पर निवेश करने वाले लोगों के लिए सबसे बड़ा खतरा यह है कि अगर कंपनी के संचालन में कोई गड़बड़ी हो या वह दिवालिया हो जाए, तो निवेशकों को अपना पैसा या गोल्ड वापस पाना मुश्किल हो सकता है। इसमें काउंटर पार्टी रिस्क और ऑपरेशनल रिस्क जैसे खतरे शामिल हैं।

सेबी का मकसद चेतावनी देना, बैन लगाना नहीं

सेबी ने यह भी स्पष्ट किया है कि यह नोटिस किसी तरह का प्रतिबंध नहीं है। डिजिटल गोल्ड को अवैध नहीं बताया गया है, बल्कि निवेशकों से यह अपील की गई है कि वे निवेश से पहले पूरी जांच करें। नियामक ने कहा कि जो उत्पाद सेबी के नियमों से बाहर हैं, उनमें निवेश करते समय सतर्क रहना जरूरी है।

निवेशक क्या करें?

अगर आप गोल्ड में निवेश करना चाहते हैं और सेबी के संरक्षण में रहना चाहते हैं, तो गोल्ड एळऋया इलेक्ट्रॉनिक गोल्ड रिसीट जैसे विकल्प सबसे सुरक्षित हैं।

जो लोग निजी डिजिटल गोल्ड प्लेटफॉर्म चुनते हैं, उन्हें यह जांचना चाहिए कि कंपनी सेबी के तहत पंजीकृत है या नहीं, गोल्ड की फिजिकल बैकिंग और ऑडिट की जानकारी देती है या नहीं, और गोल्ड स्टोरेज की पारदर्शी व्यवस्था रखती है या नहीं।

सेबी की एडवाइजरी इस बात की याद दिलाती है कि हर गोल्ड निवेश सुरक्षित नहीं होता। जहां सेबी-नियंत्रित उत्पादों में निवेशक को सुरक्षा और पारदर्शिता मिलती है, वहीं डिजिटल गोल्ड अभी भी एक ग्रे जोन में है। ऐसे में निवेश करने से पहले पूरी जानकारी जुटाना और सावधानी बरतना ही सबसे समझदारी भरा कदम है।

भोपाल में मॉडल की संदिग्ध मौत, मुस्लिम बॉयफ्रेंड अस्पताल में छोड़ भागा, प्राइवेट पार्ट पर चोट के निशान, जानिए

(जीएनएस)।

मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां 27 वर्षीय मॉडल खुशबू अहिरवार उर्फ खुशी वर्मा की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। सोमवार (10 नवंबर 2025) तड़के उसका बॉयफ्रेंड कासिम अहमद उसे इंदौर रोड के भैंसाखेड़ी स्थित चिरायु अस्पताल में छोड़कर भाग गया।

डॉक्टरों ने युवती की मौत की सूचना पुलिस को दी, जिसके बाद बॉडी को कब्जे में ले लिया गया। मृतका के परिजनों ने हत्या का गंभीर आरोप लगाया है, और पोस्टमॉर्टम में प्राइवेट पार्ट सहित कंधे, चेहरे पर चोट के निशान मिले हैं। मां लक्ष्मी अहिरवार ने कहा, "बेटी का लव जिहाद हुआ, कासिम ने निर्मम तरीके से पीट-पीटकर हत्या की।

" पुलिस ने कासिम को गिरफ्तार कर लिया, और मर्ग 41/25 के तहत जांच शुरू कर दी है। गांधी मेडिकल कॉलेज में मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में पोस्टमॉर्टम हो रहा है। यह मामला न केवल प्रेम प्रसंग का है, बल्कि सामाजिक मुद्दों को भी छू रहा है। आइए, जानते हैं इस दर्दनाक घटना की पूरी दास्तां - मॉडलिंग की दुनिया से मौत तक, कासिम का रोल, मां का रोना और पुलिस की जांच।

संदिग्ध मौत का मामलाः इंदौर रोड अस्पताल में छोड़ा, कासिम भागा - डॉक्टरों ने दी सूचना

भोपाल के इंदौर रोड पर स्थित चिरायु अस्पताल में सोमवार तड़के करीब 3 बजे एक युवक युवती को बेसुध हालत में छोड़कर भाग गया। अस्पताल के डॉक्टरों ने तुरंत जांच की, लेकिन युवती को बचाया नहीं जा सका। मौत की सूचना मिलते ही पुलिस ने मौके पर पहुंचकर बॉडी को कब्जे में

ले लिया। हेड कॉन्स्टेबल प्रतीक कुमार ने बताया, "युवती की पहचान खुशबू अहिरवार (27 वर्ष) के रूप में हुई। वह कासिम अहमद के साथ लिव-इन रिलेशन में रह रही थी। कासिम ने उसे अस्पताल में भर्ती कराने के बाद भागने की कोशिश की, लेकिन उउळश से पकड़ा गया।"

पुलिस के अनुसार, दोनों उज्जैन से भोपाल आ रहे थे। रास्ते में युवती की तबीयत बिगड़ी, तो कासिम ने अस्पताल में छोड़ा। मृतका का बॉयफ्रेंड कासिम अहमद (उम्र 30 वर्ष, मुस्लिम समुदाय) है, जो भोपाल के रहने वाला है। मां लक्ष्मी अहिरवार ने बताया, "तीन दिन पहले कासिम ने फोन किया और कहा, 'मैं मुसलमान हूं, लेकिन आपकी बेटी मेरे साथ है। उज्जैन जा रहे हैं।' बेटी ने भी कहा, 'फिक्र मत करो, कासिम अच्छा है।'" लेकिन मां ने शक जताया, "बेटी का लव जिहाद हुआ। कासिम ने हत्या की।" सोशल मीडिया पर 'डायमंड गर्ल', बीए छोड़ मॉडल बनीं - इंस्टा पर 12 हजार फॉलोअर्स

खुशबू अहिरवार (जन्म 1998, निवासी भोपाल) एक उभरती मॉडल थी। इंस्टाग्राम पर

diamondgirl khushi नाम से अकाउंट था, जिसके 12,000 फॉलोअर्स थे। वह लोकल ब्रांड्स के लिएमॉडलिंग करती, फैशन शोज में हिस्सा लेती। मां ने बताया, "खुशबू ने बीए फर्स्ट ईयर के बाद पढ़ाई छोड़ दी। तीन साल से भोपाल में रह रही थी, पार्ट-टाइम जॉब से खर्च चलाती। हमेशा कहती, 'मां, मैं आगे जाऊंगी।'" दोस्तों ने कहा, "खुशबू महत्वाकांक्षी थी, लेकिन कासिम से रिलेशन ने सब बर्बाद कर दिया।"

पुलिस ने उसके फोन और सोशल मीडिया चेक किया। कासिम से दो साल का रिश्ता था, लेकिन विवाह का दबाव था। मां ने कहा, "कासिम ने धर्म बदलने का दबाव डाला।"

मां का रोनाः 'प्राइवेट पार्ट पर चोट, निर्मम हत्या' - लव जिहाद का आरोप

मां लक्ष्मी अहिरवार (उम्र 50 वर्ष) सदमे में हैं। उन्होंने कहा, "बेटी के शरीर पर नीले निशान हैं - कंधे, चेहरा, प्राइवेट पार्ट। निर्मम पीट-पीटकर हत्या की। कासिम ने लव जिहाद किया।" मां ने बताया, "खुशबू ने कहा था, 'कासिम अच्छा है।' लेकिन सच्चाई छिपाई।" परिवार ने हत्या का आरोप लगाया, और पुलिस से इंसाफ की मांग। पोस्टमॉर्टम में प्राइवेट पार्ट पर चोट, स्ट्रैंगुलेशन के संकेत मिले। रिपोर्ट का इंतजार।

कासिम का रोलः लिव-इन रिलेशन, धर्म बदलने का दबाव - गिरफ्तार, पूछताछ जारी

कासिम अहमद (30 वर्ष, मुस्लिम) भोपाल का रहने वाला है। पुलिस ने सोमवार दोपहर उसे गिरफ्तार किया। प्रतीक कुमार ने कहा, "कासिम ने कहा, तबीयत बिगड़ी तो अस्पताल छोड़ा। लेकिन उउळश से भागते हुए पकड़े गए।" पूछताछ में कासिम ने कहा, "रिलेशन था, लेकिन हत्या नहीं की।" पुलिस ने मर्ग 41/25 दर्ज किया, धारा 302 (हत्या) जोड़ी जा सकती। मां ने कहा, "कासिम ने बेटी को मुसलमान बनाने का दबाव डाला।"

जांच का तापमानः उउळश बुलेट, फोन रिकॉर्ड्स, लव जिहाद का कोण

CCTV: अस्पताल और रोड पर 20 कैमरे बुलेट।

फोन रिकॉर्ड्सः कासिम-खुशबू के कॉल्स, मैसेज।

लव जिहाद कोणः मां का आरोप - धर्म बदलने का दबाव। पुलिस ने चेक किया।

'भारत में कोई भी अहिंदू नहीं, सभी एक ही पूर्वज के वंशज', बेंगलुरू में बोले संघप्रमुख मोहन भागवत

(जीएनएस)।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने इस वर्ष 2 अक्टूबर को अपनी स्थापना के 100 वर्ष पूर्ण कर लिए । इस गौरवशाली उपलब्धि के उपलक्ष्य में संघ के द्वारा देश भर में व्याख्यान मालाएं, संवाद कार्यक्रम सहित भव्य आयोजनों का सिलसिला प्रारंभ हो चुका है जिसकी एक महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में विगत दिनों बेंगलुरु में एक अनूठा संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इस दो दिवसीय कार्यक्रम के पहले संघ प्रमुख ने संघ की 100 वर्षों की ऐतिहासिक यात्रा पर अपना विद्वत्ता पूर्ण विचारोत्तेजक व्याख्यान दिया और दूसरे दिन अतिथियों की जिज्ञासाओं का सारगर्भित समाधान किया। इस कार्यक्रम में लगभग समाज के विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े लगभग 1200 विशिष्ट अतिथियों को आमंत्रित किया गया था।

कार्यक्रम के मंच पर सरसंघचालक मोहन भागवत के साथ संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबोले भी आसीन थे।

संघ प्रमुख ने अपने व्याख्यान में इस बार को विशेष रूप से रेखांकित किया कि भारत में कोई भी अहिंदू नहीं है । सभी मुसलमान और ईसाई एक ही पूर्वजों के वंशज हैं।

इस बात को शायद उन्होंने भुला दिया या उन्हें यह भूलने के लिए मजबूर किया गया। भागवत ने हिन्दूओं को ही भारत के लिए जिम्मेदार बताते हुए कहा कि संघ का उद्देश्य सत्ता में समाज में प्रतिष्ठा प्राप्त करना नहीं है। उसका उद्देश्य राष्ट्र के गौरव के संरक्षण के लिए हिंदू समाज को समाज को संगठित करना है। देश की मूल संस्कृति हिन्दू संस्कृति है।

संघ प्रमुख ने कहा कि जब यह प्रश्न उठाया जाता है कि संघ केवल हिन्दू समाज के लिए ही क्यों कार्य करता है तो इसका उत्तर यह है कि हिंदू ही इस देश के लिए जिम्मेदार है। अंग्रेजों ने हमें राष्ट्रीयता नहीं दी। हम एक प्राचीन राष्ट्र हैं।

भारत की मूल संस्कृति क्या है?

दुनिया में हर जगह लोग इस बात पर सहमत हैं कि हर राष्ट्र की अपनी एक मूल संस्कृति होती है। भारत की मूल संस्कृति क्या है? हम जो भी वर्णन करें वह हमें हिंदू शब्द पर ले जाता है। वही हमारी मूल संस्कृति है। भागवत ने कहा कि जानबूझकर या भले ही अनजाने में हर कोई भारतीय संस्कृति का पालन करता है। इसलिए यहां कोई अहिंदू नहीं है और हर हिन्दू को यह समझना चाहिए कि वह हिंदू है क्योंकि हिन्दू होने का मतलब भारत के लिए जिम्मेदार होना है।

संघ प्रमुख ने अपनी इस बात को विशेष रूप से रेखांकित किया कि सनातन धर्म ही हिन्दू राष्ट्र है और सनातन धर्म की प्रगति ही राष्ट्र की प्रगति है।

संघ को 70 सालों तक कड़े विरोध का सामना करना पड़ा

संघ प्रमुख ने अपने संबोधन में उन कठिन चुनौतियों का उल्लेख किया जिनका संघ को अपनी 100 वर्षों की यात्रा में सामना करना पड़ा। संघ प्रमुख ने कहा कि इन कठिन चुनौतियों का सफलतापूर्वक सामना करते हुए संघ निरंतर आगे बढ़ता रहा। संघ को लगभग 60-70 सालों तक कड़े विरोध का सामना करना पड़ा जिनमें दो बार संघ पर प्रतिबंध और स्वयंसेवकों पर हिंसक हमले भी शामिल हैं तीसरी बार भी प्रतिबंध लगा परंतु वह खास नहीं था।

संघ ने सभी चुनौतियों को परास्त किया

भागवत ने कहा हमारी बहुत आलोचना भी हुई। संघ की राह को अवरूद्ध करने के बहुत प्रयास किए गए लेकिन संघ के जो स्वयंसेवक अपना सब कुछ संघ को देते हैं और बदल में कुछ नहीं चाहते उनके समर्पण की ताकत से हमने सभी चुनौतियों को परास्त किया और अब हम इस स्थिति में पहुंच गए हैं कि हमारी विश्वसनीयता बन चुकी है।

संघ प्रमुख ने संघ अपने कार्यों को हर गांव ,समाज के हर तबके सभी जातियों और वर्गों तक पहुंचाना चाहता है। संघ प्रमुख ने साफ साफ कहा कि संघ किसी दूसरे संगठन के खिलाफ खड़ा किया गया संगठन नहीं है। एक सामाजिक संगठन के रूप में व्यक्ति निर्माण से निर्माण ही संघ का उद्देश्य है। लक्ष्य की प्राप्ति के लिए 100 वर्ष पूर्व संघ ने जन्म लिया

क्या मुसलमानों और ईसाइयों को संघ में प्रवेश की अनुमति नहीं है?

संघ प्रमुख ने इस अनूठे संवाद कार्यक्रम के दूसरे दिन सभागार में उपस्थित अतिथियों की जिज्ञासाओं का समाधान किया। संघ में प्नवेश की पात्रता के संबंध में पूछे गए एक सवाल के जवाब में मोहन भागवत ने कहा, "किसी भी ब्राह्मण को संघ में प्रवेश की अनुमति नहीं है। किसी भी अन्य जाति के व्यक्ति को संघ में प्रवेश की अनुमति नहीं है। किसी भी मुसलमान को संघ में प्रवेश की अनुमति नहीं है किसी भी ईसाई को संघ में प्रवेश की अनुमति नहीं है ।संघ में केवल हिंदुओं को प्रवेश की अनुमति है इसलिए किसी भी संप्रदाय के लोग चाहे वे मुसलमान हों ,ईसाई हों या किसी अन्य संप्रदाय के हों ,संघ में आ सकते हैं लेकिन उन्हें अपनी विशिष्टता (धार्मिक पहचान) बाहर रखकर ही संघ में प्रवेश की अनुमति है। आपकी विशिष्टता का स्वागत है लेकिन जब आप संघ में आते हैं तो आप भारत माता के पुत्र या हिन्दू समाज के सदस्य के रूप में आते हैं।"

संघ ने बिना किसी लाग लपेट के कहा कि मुसलमान संघ की शाखा में आते हैं, ईसाई भी संघ की शाखा में आते हैं , नियमित रूप से हिंदू समाज कही जाने वाली सभी जातियों के लोग संघ की शाखाओं में आते हैं लेकिन संघ की शाखा में हम उनकी गिनती नहीं करते और न ही यह पूछते हैं कि वे कौन हैं।

बिहार विधानसभा चुनाव : दूसरे फेज के कितने कैंडिडेट अंगूठा छाप, कितने 12वीं पास? अब जनता लेगी असली एग्जाम!

(जीएनएस)।

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 का दूसरा चरण 11 नवंबर को है और इस बार उम्मीदवारों की तस्वीर काफी दिलचस्प नजर आ रही है। कहीं स्कूल तक पढ़े हुए प्रत्याशी हैं, तो कहीं ऐसे चेहरे हैं जिन्होंने उच्च शिक्षा हासिल की है। उम्र के मामले में भी मैदान में युवा जोश और अनुभवी चेहरों का संगम देखने को मिल रहा है। वहीं, महिलाओं की भागीदारी भी बढ़ती दिखाई दे रही है। इन आंकड़ों से बिहार की बदलती राजनीति और समाज का एक नया चेहरा झलकता है, जहां हर तबके के लोग अब सत्ता के केंद्र तक पहुंचने का सपना देख रहे हैं।

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के दूसरे चरण में मैदान में उतरे उम्मीदवारों की पढ़ाई-लिखाई पर नजर डालें तो तस्वीर काफी दिलचस्प है। ADR की डेटा के अनुसार कुल उम्मीदवारों में से 528 यानी करीब 41 प्रतिशत ने अपनी शिक्षा 5वीं से 12वीं तक बताई है। मतलब, बड़ी संख्या में ऐसे उम्मीदवार हैं जिन्होंने स्कूल तक पढ़ाई की है। वहीं, 627 उम्मीदवार यानी लगभग 48 प्रतिशत ऐसे हैं जिन्होंने स्नातक या उससे ज्यादा पढ़ाई की है। इनमें से कई ने पोस्ट ग्रेजुएशन

तक की डिग्री हासिल की है। इसके अलावा 15 उम्मीदवारों ने बताया कि वे डिप्लोमा धारक हैं।

कुछ उम्मीदवारों की पढ़ाई बहुत कम है। 117 उम्मीदवारों ने खुद को सिर्फ साक्षर बताया है यानी वे पढ़ना-लिखना जानते हैं, लेकिन औपचारिक शिक्षा नहीं ली। वहीं, 9 उम्मीदवार ऐसे भी हैं जिन्होंने खुद को असाक्षर बताया है। एक उम्मीदवार ने तो अपनी शैक्षिक योग्यता का खुलासा ही नहीं किया। ये आंकड़े बताते हैं कि चुनावी मैदान में पढ़े-लिखे और कम पढ़े दोनों तरह के उम्मीदवार मौजूद हैं।

उम्र में भी दिख रहा बड़ा फर्क

अब अगर उम्र की बात करें तो ज्यादातर उम्मीदवार मध्यम आयु वर्ग के हैं। 445 उम्मीदवार यानी करीब 34 प्रतिशत की उम्र 25 से 40 साल के बीच है। ये वो उम्र है जब युवा राजनीति में अपनी जगह बनाने की कोशिश करते हैं। वहीं, 680 उम्मीदवारों की उम्र 41 से 60 साल के बीच है - यह समूह सबसे बड़ा है और इसमें पुराने और अनुभवी नेता शामिल हैं। इसके अलावा 170 उम्मीदवार ऐसे हैं जिनकी उम्र 61 से 80 साल के बीच है, जबकि 2 उम्मीदवार 80 साल से ज्यादा उम्र के हैं। यह दिखाता है कि बिहार की राजनीति में युवाओं से लेकर बुजुर्ग तक सभी सक्रिय हैं।

महिलाओं की बढ़ती भागीदारी

इस बार महिलाओं की उपस्थिति भी चर्चा में है। दूसरे चरण में कुल 133 महिला उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं, जो कुल उम्मीदवारों का लगभग 10 प्रतिशत हिस्सा बनाती हैं। भले ही यह आंकड़ा बहुत बड़ा न लगे, लेकिन पिछले कुछ चुनावों की तुलना में इसमें सुधार हुआ है। अब महिलाएं न सिर्फ मतदाता के रूप में, बल्कि उम्मीदवार के तौर पर भी अपनी भूमिका निभा रही हैं।

बदलते बिहार की झलक

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के दूसरे चरण के ये आंकड़े दिखाते हैं कि राज्य की राजनीति अब ज्यादा विविध और प्रतिनिधिक हो रही है। अब सिर्फ पढ़े-लिखे या उम्रदराज लोग ही नहीं, बल्कि युवा, महिलाएं और अलग-अलग पृष्ठभूमि से आने वाले लोग भी आगे आ रहे हैं। इससे यह साफ है कि बिहार में राजनीति का